



नई दिल्ली, मंगलवार
04 फरवरी 2025

नेशनल प्रेस टाइम्स



राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण)

वर्ष : 10, अंक : 318

www.nationalpresstimes.com

पृष्ठ : 10

मूल्य : 05 रुपये

RNI No : UPHIN/2015/64579

लखनऊ पहुंचे भूटान नरेश, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया स्वागत

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ पहुंचे भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक का स्वागत किया। वो सीएम योगी से कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे। भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक सोमवार को लखनऊ पहुंचे। जहां एयरपोर्ट पर उनका स्वागत यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिया। मुख्यमंत्री योगी ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया और उनका स्वागत किया। भूटान नरेश सीएम योगी से कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे।



कुलगाम में आतंकी हमला: पूर्व सैनिक के पेट में लगी गोली, मौत

श्रीनगर। कुलगाम जिले के बेहीबाग में आतंकी हमले में पूर्व सैनिक मंजूर अहमद वागे शहीद, पत्नी और बेटी घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के बेहीबाग में आतंकीयों ने एक पूर्व सैनिक और उसके परिवार के तीन सदस्यों पर हमला किया, जिसमें तीनों घायल हो गए। पूर्व सैनिक मंजूर अहमद वागे को पेट में गोली लगी जबकि उसकी पत्नी और बेटी के पैर में गोली लगी। तीनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाज के दौरान ही मंजूर अहमद वागे शहीद हो गए।

बिना नोटिस 346 बिजलीकर्म बर्खास्त

गन्ना दफ्तर में जोरदार प्रदर्शन, आंदोलन की चेतावनी दी

लखनऊ। बिना नोटिस 346 कर्मचारियों को बर्खास्त किए जाने के मामले में अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस और अखिल भारतीय विद्युत कर्मचारी संघ ने प्रदर्शन किया और बहाल न किए जाने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी दी। अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस और अखिल



भारतीय विद्युत कर्मचारी संघ के बैनर तले बिजली

कर्मचारियों ने मंगलवार को गन्ना दफ्तर में जोरदार

धरना-प्रदर्शन किया। शेष पेज 2 पर

मानहानि मामले में दिल्ली HC से शशि थरूर को समन जारी, 28 अप्रैल को अगली सुनवाई



नई दिल्ली। तिरुवनहत्तपुरम में साइबर पुलिस ने 15 अप्रैल को मामला दर्ज किया था, लेकिन इसका विवरण आज ही सामने आया। पुलिस के अनुसार, थरूर के खिलाफ मामला भाजपा नेता जेआर पद्मकुमार की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था, जिन्होंने कांग्रेस नेता पर एक टेलीविजन कार्यक्रम के दौरान चंद्रशेखर के खिलाफ गलत अभियान चलाने का आरोप लगाया था। इस बीच, चुनाव आयोग (ईसी) भी हरकत में आया

और कांग्रेस उम्मीदवार थरूर को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में नैतिक आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन में असत्यापित आरोप न लगाए। दिल्ली हाई कोर्ट भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर द्वारा दायर मानहानि मामले में कांग्रेस नेता शशि थरूर को समन जारी किया। अदालत ने थरूर को सभी स्वीकार्य तरीकों से नोटिस जारी किया और अगली सुनवाई 28 अप्रैल के लिए निर्धारित की।

शेष पेज 2 पर

मिल्कीपुर उपचुनाव:

दो जातियों के हाथ में सीट को जीतने की चाभी भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बनी जीत-हार

अयोध्या। मिल्कीपुर चुनाव में आज शाम को चुनाव प्रचार खत्म हो जाएगा। मुख्य मुकाबला सपा और भाजपा के बीच में है। लोकसभा चुनाव में फैजाबाद सीट गंवाने वाली भाजपा के लिए यह सीट प्रतिष्ठा का विषय बन चुकी है।

मिल्कीपुर विधानसभा सीट के लिए हो रहे उपचुनाव में यों तो भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला दिख रहा है। सपा के बागी व आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के सूरज चौधरी व कांग्रेस के बागी भोलानाथ भारती इसे बहुकोणीय बनाने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव में दलित व ब्राह्मण वोट निर्णायक भूमिका में हैं। जो दल इन दोनों जातियों को

अयोध्या न काशी, पासी की काट पासी



साधने में सफल रहेगा उसके सिर जीत का सेहरा बंधेगा। इसी वजह से दोनों दलों के क्षेत्रों ने पूरे इलाके को मथ दिया है। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद फैजाबाद संसदीय सीट पर भाजपा की हार की वजह से यह चुनाव काफी महत्वपूर्ण हो गया है। पूरे देश की नजर दिल्ली विधानसभा के साथ हो रहे इस एकमात्र सीट के उपचुनाव पर टिकी हुई है। आरक्षित सीट होने की वजह

से सभी दलों से दलित समुदाय के लोग ही चुनाव मैदान में हैं। भाजपा और सपा दोनों ही पासी बिरादरी से प्रत्याशी के बलबूते चुनाव मैदान में हैं। दोनों पार्टियों ने विधायकों तथा रणनीतिकारों की फौज उतार रखी है। सभी अपने अपने तरीके से मतदाताओं को भुनाने में जुटे हुए हैं। ब्राह्मण मतदाताओं को साधने के लिए भाजपा ने पूर्व विधायक खब्बू तिवारी और सपा ने पूर्व मंत्री पवन पांडेय व अन्य को लगा रखा

यह है वोटरों का लेखा-जोखा

कुल मतदाता 192984 पुरुष 177838 महिला

जातिगत आंकड़े (अनुमानित)

अनुसूचित जाति 90 हजार पासी 65 हजार यादव 62 हजार मुस्लिम 31 हजार ब्राह्मण 63 हजार क्षत्रिय 18 हजार चौरसिया 16 हजार मौर्या 12 हजार अन्य (कुर्मी, निषाद, विश्वकर्मा) 13829

है। खब्बू लगातार इलाके में सक्रियता बनाए हुए हैं।

शेष पेज 2 पर

फिर भड़के अनिल विज: सीएम सैनी के मित्र की चित्रा सरवारा के साथ फोटो पोस्ट की, पूछा-यह रिश्ता क्या कहलाता है



चंडीगढ़। अनिल विज पिछले कई दिन से सीएम नायब सैनी के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। वे पहले भी कई बार सीएम पर निशाना साध चुके हैं। अंबाला छावनी के विधानसभा चुनाव में भाजपा की अंदरूनी गड़बड़ियों को लेकर एक बार फिर मामले ने तूल पकड़ लिया है। ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भापजा के पूर्व जिला कोषाध्यक्ष आशीष तायल पर

सवाल उठाए हैं। विज ने सोशल मीडिया के अपने अधिकृत अकाउंट पर पोस्ट डाली है जिसमें सीएम नायब सैनी के मित्र आशीष तायल की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। विज ने कहा है कि आशीष तायल जो खुद को नायब सैनी का मित्र बताते हैं उनकी फेसबुक पर नायब सैनी के साथ अनेकों चित्र मौजूद हैं। आशीष तायल के साथ विधानसभा चुनाव के दौरान जो कार्यकर्ता नजर आ रहे हैं शेष पेज 2 पर

अनाया डायग्नोसिस सेंटर के डॉक्टर एवं संचालक पर फर्जी रिपोर्ट बनाने के आरोप, मे गम्भीर धाराओं में एफआईआर दर्ज

डायग्नोस्टिक सेंटर के संचालकों में हड़कंप, बड़े सिडिकेट का हो सकता है पदार्फाश

एनपीटी ब्यूरो

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 52 स्थित अनाया अल्ट्रासाउंड सेंटर की रेडियोलॉजिस्ट डॉ शिवानी सेंटर संचालक डॉ आर सिंह पर फर्जी रिपोर्टिंग के गम्भीर आरोप लगे हैं। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गौतम बुद्धनगर ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए एफआईआर दर्ज करने का आदेश सेक्टर 24 थाने को दिया था। आदेश के अनुपालन में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। तफ्तीसी भी शुरू कर दी गई है।

डायग्नोस्टिक सेंटर के संचालक और डॉक्टर पर प्राथमिक दर्द हो जाने के बाद फर्जी रिपोर्टिंग करने वाले सेंटर

संचालकों में हड़कंप मचा है। वहीं अब उम्मीद जगी है कि नोएडा जैसे प्रतिष्ठित शहर में एक बड़े सिडिकेट का पदार्फाश होगा ? जहां डॉक्टर और डायग्नोसिस सेंटर संचालक मिल कर मरीजों की जेब पर डाका डालने का कार्य कर रहे हैं। वाकया नोएडा के सेक्टर 52 स्थित अनन्या डायग्नोसिस सेंटर का है जहां डॉ शिवानी ने विगत 13 अप्रैल 23 को श्रीमती अर्चना मिश्रा का अल्ट्रासाउंड किया। अल्ट्रासाउंड में मरीज के गुर्दे में 17.5 एमएम पथरी होने की रिपोर्ट दिया। परिजनों को संदेह हुआ तो उन्होंने नोएडा सेक्टर 61 स्थित डॉ मोनिका के दूसरे



अल्ट्रासाउंड सेंटर पर 14. अप्रैल को जाकर दोबारा से अल्ट्रासाउंड कराया। तो पता चला की पथरी जैसी कोई बात नहीं है। विश्वास और

अविश्वास के बीच झूलता यह परिवार एक बार फिर से 21 अप्रैल 23 को नोएडा सेक्टर 11 स्थित मेट्रो हॉस्पिटल फिर से अल्ट्रासाउंड कराया। इस बार भी पथरी जैसी कोई रिपोर्ट नहीं आई। अब सवाल उठता है कि अनाया जिसने 17.5 एमएम पथरी क्यू रिपोर्ट किया। दरअसल अल्ट्रासाउंड डायग्नोसिस सेंटर संगठित अपराध की तरह व्यवहार कर रहे हैं। मरीजों को इस तरह से रिपोर्ट करके उन्हें ऑपरेशन के लिए विवश करते हैं। इसका क्या मतलब निकाला जाए ? इस रिपोर्ट को आधार बनाकर मरीज के परिजन निर्णय ले लेते अनावश्यक रूप से लाखों रुपए

का व्यय होता।

डायग्नोसिस सेंटर संचालक और डॉक्टर के बीच एक बड़ा नेक्सस बना हुआ है। जिस कारण शिकायत के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता श्रीमती अर्चना मिश्रा ने न्यायालय में वाद दायर किया। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए परीक्षण उपरांत डायग्नोसिस सेंटर पर प्राथमिक की दर्ज किए जाने का आदेश दिया। न्यायालय के आदेश के बाद नोएडा पुलिस ने डायग्नोसिस सेंटर की रेडियोलॉजिस्ट डॉ शिवानी, संचालक डॉ आर सिंह पर गम्भीर धाराओं एफआईआर दर्ज कर लिया है।

'महाराष्ट्र में हिमाचल की आबादी जितने नए वोटर जोड़े गए'

राहुल ने चुनाव की निष्पक्षता पर उठाए सवाल



नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में महाराष्ट्र चुनाव का मुद्दा उठाया, जिसमें हिमाचल प्रदेश की पूरी आबादी को अचानक महाराष्ट्र के मतदाता सूची में जोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने चुनाव आयोग से नए मतदाताओं के आंकड़े की मांग की और कहा कि ये नए मतदाता उन क्षेत्रों में हैं जहां भाजपा ने जीत हासिल की है। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सोमवार को विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले हिमाचल प्रदेश की पूरी आबादी को मतदाता सूची में जोड़ दिया गया था। राहुल गांधी ने कहा, 'मैं इस सदन के ध्यान में महाराष्ट्र चुनावों

के बारे में कुछ आंकड़ों और जानकारी को लाना चाहता हूं। लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव के बीच हिमाचल प्रदेश की मतदाता आबादी को महाराष्ट्र की मतदाता सूची में जोड़ा गया था। यानी हिमाचल प्रदेश की पूरी आबादी को महाराष्ट्र के मतदाता सूची में जोड़ दिया गया। लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच करीब 70 लाख नए मतदाता अचानक आ गए।' कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, 'हम चुनाव आयोग से कह रहे हैं कि कृपया हमें लोकसभा और विधानसभा के सभी मतदाताओं के नाम, पते और मतदाता केंद्र की जानकारी दें, ताकि हम गणना कर सकें कि ये नए मतदाता कौन हैं। शेष पेज 2 पर

दिल्ली में हल्की बारिश से गिरेगा तापमान, बढ़ेगी टिडरन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली। सोमवार को सुबह कोहरा छाया रहा। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया वैसे ही कोहरा हटता गया। वहीं, लोगों ने दिन में धूप का आनंद लिया। सुबह-शाम ठंड का अहसास हो रहा है।

राजधानी में मंगलवार को हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अधिकांश स्थानों पर मध्यम स्तर का कोहरा व कुछ स्थानों पर सुबह घना कोहरा छाप रहने की आशंका है। आसमान में आंशिक रूप से बादल छाप रहेंगे। रात में हल्की से बहुत हल्की बारिश व बूँदाबांदी की संभावना है। रात में धुंध छाप रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 21



और 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। सोमवार को सुबह कोहरा छाया रहा। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया वैसे ही कोहरा हटता गया। वहीं, लोगों ने दिन में धूप का आनंद लिया। सुबह-शाम ठंड का अहसास हो रहा है। जबकि दिन के समय हल्की गर्मी महसूस होने लगी है। लोग दिन भर बारिश का इंतजार करते हुए लेकिन रात तक कहीं भी हल्की बारिश

व बूँदा-बांदी दर्ज नहीं की गई। ऐसे में लोग मायूस हो गए। सुबह साढ़े पांच बजे से साढ़े छह बजे तक सफ़दरजंग एयरपोर्ट में दृश्यता 50 मीटर दर्ज की गई। साथ ही, पालम एयरपोर्ट में सुबह साढ़े चार बजे से पांच बजे के करीब दृश्यता 50 मीटर रही। ऐसे में वाहन चालकों को अधिक समस्या का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार न्यूनतम तापमान

1.8 डिग्री सेल्सियस अधिक के साथ 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान आठ डिग्री के करीब रिकॉर्ड हुआ। वहीं, अधिकतम तापमान सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक रहा, जोकि 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। मौसम विभाग के मुताबिक रिज में न्यूनतम तापमान अन्य केंद्र के मुताबिक सबसे कम दर्ज किया गया। यहां न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, पालम में 8.6, आया नगर में 9.6 डिग्री सेल्सियस, लोधी रोड में 10.2 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। साथ ही, हवा में नमी का स्तर 33 फीसदी के साथ 100 फीसदी तक रहा।

आज से 5 फरवरी तक दिल्ली में नहीं मिलेगी शराब, 8 तारीख को भी रहेगा ड्राई डे

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

दिल्ली। मतदान के दिन और मतगणना के दिन विभिन्न आबकारी लाइसेंसों के लिए आबकारी नियम-2010 के तहत आबकारी नियम-2010 के तहत ड्राई डे घोषित किया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि ड्राई डे के दौरान शराब की दुकानों, होटलों, रेस्तरां, क्लबों और शराब बेचने या परोसने वाले प्रतिष्ठानों आदि को भी शराब बेचने या परोसने की अनुमति नहीं होगी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के चलते राजधानी में 3 से 5 फरवरी तक मतदान के दिन और 8 फरवरी को परिणाम घोषित होने तक शराब की दुकानें और शराब परोसने वाले अन्य प्रतिष्ठानों को बंद रखने का आदेश दिया है।

ड्राई डे घोषित... क्लबों और अन्य प्रतिष्ठानों को भी शराब परोसने की अनुमति नहीं

दिल्ली आबकारी आयुक्त द्वारा हाल ही

में जारी अधिसूचना में मतदान के दिन और मतगणना के दिन विभिन्न आबकारी लाइसेंसों के लिए आबकारी नियम-2010 के तहत ड्राई डे घोषित किया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि ड्राई डे के दौरान शराब की दुकानों, होटलों, रेस्तरां, क्लबों और शराब बेचने या परोसने वाले प्रतिष्ठानों आदि को भी शराब बेचने या परोसने की अनुमति नहीं होगी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव की सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद बनाने के लिए दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस ने शराब तस्करी के साथ-साथ सार्वजनिक जगहों पर शराब पी रहे लोगों पर नकेल कस दी है। पुलिस ने अभियान चलाकर सात शराब तस्कर और सफ़ायर के साथ-साथ सार्वजनिक जगहों पर शराब पी रहे 45 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुरक्षित चुनाव सुनिश्चित करने के लिए पुलिस

लगातार शराब तस्करी में लिप्त आरोपियों पर निगरानी रख रही है। सभी थानों में एक अतिरिक्त पुलिस टीम गठित की है, जो शराब तस्करी और सफ़ायरों पर निगरानी रख रही है। इन टीमों ने रविवार को एक विशेष अभियान चलाकर सात तस्करी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि वसंत कुंज दक्षिण थाना पुलिस ने एक महिला शराब तस्कर महिलाल पुर निवासी संजू को गिरफ्तार किया है। महिला पहले भी आबकारी अधिनियम की आठ मामलों में शामिल रही है। पुलिस ने इसके कब्जे से 730 क्वार्टर शराब बरामद की है। वहीं दूसरी तरफ थाना कापसहेड़ा की टीम ने एक तस्कर कापसहेड़ा गांव निवासी सिकंदर को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से 19 कार्टून, वसंत विहार थाना पुलिस ने शिवा कैप निवासी रमेश को गिरफ्तार कर 79 क्वार्टर अवैध शराब बरामद की है।

पेज एक का शेप...

बिना नोटिस 346 बिजलीकर्म बर्खास्त

प्रदर्शनकारियों ने बिना किसी पूर्व सूचना के 346 कर्मचारियों की बर्खास्तगी पर नाराजगी जताई और इसे अन्याय करार दिया।

भ्रष्टाचार और मनमानी का आरोप प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का कहना है कि अधिकारियों ने बिना नोटिस दिए उन्हें नौकरी से निकाल दिया और उनकी जगह नई भर्तियां कर लीं। उन्होंने आरोप लगाया कि भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है और पैसे लेकर 050 में से सिर्फ 670 कर्मचारियों को मिली जगह

बाराबंकी में कुल 1050 संविदा कर्मचारी लाइनमैन के पद पर कार्यरत थे, लेकिन अधिकारियों ने अब सिर्फ 670 कर्मचारियों को ही बनाए रखने का फैसला किया। इससे 346 कर्मचारियों की नौकरी छिन गई।

कर्मचारी संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर बर्खास्त किए गए कर्मचारियों को बहाल नहीं किया गया, तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे।

अद्भुत, अलौकिक, भव्य और दिव्य महाकुंभ वसंत पंचमी पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

महाकुंभ 2025 का अंतिम अमृत स्नान आज वसंत पंचमी के अवसर पर हो रहा है।

संगम नोज पर श्रद्धालुओं की भीड़ है। महाकुंभ के तीसरे और अंतिम अमृत स्नान पर्व वसंत पंचमी पर संगम में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए लोगों का रेला उमड़ा है। चाहे लाल मार्ग हो या काली मार्ग या फिर त्रिवेणी मार्ग। हर तरफ से भक्ति का सागर संगम में मिलने के लिए उमड़ रहा है। मौनी अमावस्या स्नान पर्व हादसे से सबक लेते हुए इस बार अमृत स्नान के लिए अखाड़ों के लिए सेफ कॉरिडोर बनाया गया है, ताकि शाही सवारियां निकलने के दौरान उस रास्ते पर कोई आम श्रद्धालु प्रवेश न कर सकें।

कुंभ मेला प्रशासन ने भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। श्रद्धालुओं का रेला संगम समेत गंगा के घाटों पर उमड़ पड़ा है। विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समारगम में वसंत पंचमी पर संगम में डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह देखते बन रहा है।

संगम जाने वाली सड़कों पर हर तरफ आस्था, उत्साह और उल्लास छाया है। रेलवे स्टेशनों पर लगातार स्नानार्थियों की भीड़ आती जा रही है। भीड़ के महेनजर एहतियातन मेला प्रशासन ने चुस्त-दुरुस्त इंतजाम किए हैं। पार्किंग के अलावा खाली स्थानों और पटरियों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने डेरा जमा लिया है।

करीब 12 किमी की परिधि में फैले संगम के घाटों पर स्नानार्थी ही नजर आ रहे हैं। कोई दंड-कमंडल लेकर तो कोई सिर पर गठरी और कंधे पर झोला-बोरा लिए संगम की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। रास्ते

भर जय गंगा मैया, हर-हर महादेव और जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष गूंज रहे हैं। मेले में वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध है।

मेला क्षेत्र के एंट्री प्वाइंटों, संगम व पांटून पुलों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस, पैरामिलिट्री के अलावा होमगाइड्स, एनडीआरएफ, सिविल डिफेंस और यूपी एसटीएफ के जवान तैनात कर दिए गए हैं।

वसंत पंचमी पर अमृत काल के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग- वसंत पंचमी पर स्नान-दान के लिए कई शुभ योग बनेंगे, जो अपने आप में दुर्लभ हैं। रवि योग तीन फरवरी की रात 12 :52 से सुबह 07: 08 बजे तक रहेगा। इसके साथ ब्रह्म मुहूर्त सुबह 05:24 से 06:16 बजे तक रहेगा। साथ ही अमृत काल रात 08 :24 से 09 : 53 बजे तक रहेगा। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 :13 बजे से 12 :57 बजे तक रहेगा।

वसंत पंचमी के अमृत स्नान पर त्रिवेणी संगम में आस्था का जनसैलाब उमड़ा है। महाकुंभ के तीसरे अमृत स्नान पर नागा संन्यासियों के साथ देश-विदेश के करोड़ों श्रद्धालु भी साक्षी बने। हर-हर गंगे, बम बम भोले और जय श्री राम के गगनभेदी उद्धोष से महाकुंभ क्षेत्र गूंज उठा है।

विदेशी श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में वसंत पंचमी के अवसर पर अमृत स्नान किया और भारतीय संस्कृति में पूरी तरह रम गए। उन्होंने न केवल पवित्र डुबकी लगाई बल्कि अन्य तीर्थयात्रियों का भी गर्मजोशी से स्वागत किया। इटली, क्रोएशिया और ऑस्ट्रिया से आए श्रद्धालुओं ने महाकुंभ के अनुभव को अद्वितीय, अविस्मरणीय और जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर बताया।

तड़के 3 बजे से ही वॉर रूम में डटे सीएम योगी-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वसंत पंचमी के पावन अवसर पर अमृत स्नान की व्यवस्था की निगरानी के लिए साढ़े तीन बजे से अपने सरकारी आवास स्थित वॉर रूम में बैठक की। उन्होंने डीजीपी, प्रमुख सचिव गृह और मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों के साथ लगातार अपडेट प्राप्त किए और आवश्यक निर्देश दिए।

वॉर रूम में मुख्यमंत्री की सक्रिय निगरानी-मुख्यमंत्री ने इस महत्वपूर्ण संदर्भ में पूरी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि स्नान के दौरान किसी भी प्रकार की कोई भी असुविधा न हो और सभी श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा प्रदान की जाए।

अधिकारियों को निर्देश-सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे स्नान स्थल पर पूरी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें और श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक इंतजाम पूरे करें। साथ ही, उन्होंने आस्था के इस महान पर्व पर प्रशासन की तत्परता को बढ़ाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया, ताकि हजारों श्रद्धालुओं को बिना किसी समस्या के

संगम में स्नान का लाभ मिल सके।

राहुल ने चुनाव की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

दिलचस्प बात यह है कि नए मतदाता ज्यादातर उन निर्वाचन क्षेत्रों में हैं, जहां भाजपा ने जीत हासिल की है। मैं अभी कोई आरोप नहीं लगा रहा हूं। मैं सदन से कह रहा हूं कि चुनाव आयोग को आंकड़े देने होंगे। मुझे पूरा भरोसा है कि चुनाव आयोग हमें यह जानकारी देगा।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे याद है चुनाव से पहले आप सभी (भाजपा) 400 पार कह रहे थे और आप कह रहे थे कि आप इसे (संविधान) बदल देंगे।

फिर मुझे यह देखकर खुशी हुई कि प्रधानमंत्री अंदर आए और संविधान के सामने अपना सिर झुकाने के लिए मजबूर हो गए। यह सभी कांग्रेस सदस्यों के लिए गर्व का क्षण था कि हमने प्रधानमंत्री और पूरे देश को समझाया कि कोई भी ताकत इसे खूने की हिम्मत नहीं करेगी। मैं जानता हूं कि आरएसएस ने इसे कभी स्वीकार नहीं किया है। (आरएसएस प्रमुख) मोहन भागवत ने कहा है कि भारत को आजादी 1947 में नहीं मिली थी। उन्होंने कहा कि यह निरर्थक है। हम आपका सपना कभी पूरा नहीं होगा। यह संविधान भारत पर हमेशा शासन करने वाला है।'

'चीन ने घुसपैठ की, विफल हो गया मेक इन इंडिया'-राहुल गांधी ने आगे कहा, हमारे सेना प्रमुख ने कहा है कि चीन ने हमारी जमीन पर घुसपैठ की है। यह एक तथ्य है। अब, यह जानना जरूरी है कि चीनी हमारी जमीने घुसे हैं। चीनी हमारे देश में इसलिए घुसे हैं क्योंकि मेक इन इंडिया विफल हो गया है। चीनी हमारे देश में इसलिए बैठे हैं क्योंकि भारत अपने उत्पाद खुद बनाने से इनकार कर रहा है। मुझे चिंता है कि भारत एक बार फिर यह क्रांति चीनी कंपनियों को सौंप देगा। जब हम चीन से युद्ध करेंगे तो हम चीनी मोटर्स, बैटरियां और उपकरणों के साथ युद्ध करेंगे और हमें ये सभी चीनी चीजें खरीदनी पड़ेंगी।

घुसपैठ का आपको सबूत देना होगा: लोकसभा अध्यक्ष बिरला-प्रधानमंत्री ने इसका खंडन किया, लेकिन सेना ने प्रधानमंत्री के विपरीत बयान दिया और कहा कि चीन हमारे 4000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर बैठा हुआ है। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, आप सदन में जो बोल रहे हैं, आपको उसका सबूत देना होगा। इस पर राहुल गांधी ने कहा, हमारे सेनाध्यक्ष ने कहा है कि चीनी हमारे क्षेत्र के भीतर हैं। यह एक तथ्य है।

'भारत के बिना औद्योगिक प्रणाली नहीं बना सकता अमेरिका'-उन्होंने कहा, हमारा एक रणनीतिक साझेदार अमेरिका है। यह साझेदारी इस बात पर फोकस होनी चाहिए कि भारत और अमेरिका मिलकर इस क्रांति का लाभ कैसे उठा सकते हैं। भारत अमेरिका के जितने ही महत्वपूर्ण है, जिसकी वजह यह है कि वह हमारे बिना औद्योगिकी प्रणाली नहीं बना सकता। अमेरिकियों के लिए काम करना भारत के लिए आसान है। वह काम वे (अमेरिकी) नहीं कर सकते, क्योंकि उनकी लागत हमारी तुलना में कहीं ज्यादा है। हम वो चीजें बना कते हैं, जिसकी अमेरिकी भी कल्पना नहीं कर सकते।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि विदेश मंत्री एस जयशंकर को तीन बार अमेरिका भेजा गया, ताकि प्रधानमंत्री को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में आने का निमंत्रण मिल

सके। इस पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, विपक्ष के नेता इतने गंभीर, अप्रमाणिक बयान नहीं दे सकते। ये दो देशों के संबंधों से जुड़ा मामला है। आप देश के प्रधानमंत्री के निमंत्रण को लेकर असत्यापित बयान दे रहे हैं।

'जाति जनगणना के आंकड़ों पर करें एआई का उपयोग'-राहुल गांधी ने कहा, अगर हम जाति जनगणना के आंकड़ों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करें, तो इसका क्या असर होगा, इसकी कल्पना कीजिए। एआई का उपयोग कर हम सामाजिक बदलाव ला सकते हैं। हम दलितों, अन्य पिछड़े वर्गों और आदिवासियों को देश के शासन, संस्थाओं और संपत्ति के वितरण में अधिक भागीदार बनाएंगे। दूसरी दरफ, हम चीन को चुनौती देंगे और उन्हें इलेक्ट्रिक मोटर्स बैटरियां, सौर पैनल और पवन उर्जा जैसे क्षेत्रों में हराएंगे। यह वह दो मुख्य बाते होंगी, जो विपक्षी इंडिया गठबंधन का कोई नेता राष्ट्रपति के अभिभाषण में कहेगा।

दो जातियों के हाथ में सीट को जीतने की चामी भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बनी जीत-हार

भाजपा के चंद्रभानु व सपा के अजित प्रसाद दोनों ही युवा हैं। दोनों इलाके में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। यदि 2002 से पिछले पांच विधानसभा चुनाव की बात की जाए तो तीन बार सपा और भाजपा व बसपा एक-एक बार जीत दर्ज करने में सफल रही है। चुनाव में सपा और भाजपा दोनों के साथ ऐसे कुछ समीकरण हैं जिससे उन्हें कुछ फायदा है तो नुकसान भी। भाजपा के चंद्रभानु पासवान को टिकट मिलने के बाद अन्य दावेदार नाराज हो गए। इनमें पूर्व विधायक बाबा गोरखनाथ, रामू प्रियदर्शी भी थे, लेकिन बाद में मुख्यमंत्री के आश्वासन पर सभी नाराज नेता चुनाव प्रचार में शामिल हो गए।

सपा के लिए फायदे की बात यह है कि पूर्व मंत्री व कद्दावर नेता मित्रसेन यादव के बेटे आनंद सेन साथ हैं। पहली बार सेन परिवार अवधेश प्रसाद के साथ आया है। हालांकि, उसे बागी व आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) प्रत्याशी सूरज चौधरी से नुकसान पहुंच सकता है।

सूरज सांसद अवधेश प्रसाद का करीबी बताया जाता है और चुनाव की घोषणा से कुछ दिन पहले उन्होंने परिवारवाद व अन्य गंभीर आरोप लगाते हुए सपा से किनारा कर लिया था। इसके साथ ही कांग्रेस के साथ होने के बाद भी पार्टी के कद्दावर नेता भोलानाथ भारती मैदान में हैं। कांग्रेस की ओर से नोटिस दिए जाने के बाद भी वह मैदान से नहीं हटे। भोलानाथ ने जिला पंचायत चुनाव में सपा प्रत्याशी तथा अवधेश प्रसाद के बेटे अजित प्रसाद को हराया था। इस वजह से उनका क्षेत्र में जनाधार बताया जाता है। सपा परिवारवाद के आरोप से भी जूझ रही है। सपा पर सत्ताधारी दल की ओर से लगातार इसको लेकर हमले किए जा रहे हैं। वह इसे भुनाने में लगी हुई है।

मुदे की बात न होने से इलाके के लोग मायूस-इलाके के लोगों का कहना

है कि क्षेत्र के विकास की बात होनी चाहिए। बेरोजगारी कैसे दूर हो, इसकी चिंता हो। कैसे युवाओं का अन्य जगहों पर रोजी-रोटी की तलाश में जाना रुके, इस पर ध्यान होना चाहिए। मुदे पर तो बात ही नहीं हो रही है, सब अपनी पार्टी के लिए वोट मांग रहे हैं। आखिर नई पीढ़ी के सामने रोजी-रोजगार के क्या साधन होंगे, पढ़ाई लिखाई, स्वास्थ्य की कैसी व्यवस्था होगी, यह प्राथमिकता होनी चाहिए। चाहे इलाके में सभाएं हों या रोड शो या पार्टियों की बैठकें सभी में वादे किए जा रहे हैं, लेकिन किसी ने भी ठोस प्लान नहीं किया। यह नहीं बताया कि रोडमैप क्या होगा।

मानहानि मामले में दिल्ली HC से शशि थरूर को समन जारी, 28 अप्रैल को अगली सुनवाई

पूर्व केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर ने थरूर पर लोकसभा चुनाव से पहले एक टीवी कार्यक्रम के दौरान अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कथित तौर पर उनकी प्रतिष्ठा धूमिल करने के लिए माफी और 10 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की।

तिरुवनहंतपुरम में साइबर पुलिस ने 15 अप्रैल को मामला दर्ज किया था, लेकिन इसका विवरण आज ही सामने आया। पुलिस के अनुसार, थरूर के खिलाफ मामला भाजपा नेता जेआर पद्मकुमार की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था, जिन्होंने कांग्रेस नेता पर एक टेलीविजन कार्यक्रम के दौरान चंद्रशेखर के खिलाफ गलत अभियान चलाने का आरोप लगाया था। इस बीच, चुनाव आयोग (ईसी) भी हरकत में आया और कांग्रेस उम्मीदवार थरूर को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में नैतिक आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन में असत्यापित आरोप न लगाएं।

यह चेतावनी उस शिकायत के जवाब में आई है जो भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा दायर की गई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि थरूर ने उसके उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर को बदनाम करने के लिए झूठे बयान दिए। थरूर और चंद्रशेखर ने तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा, जिसमें थरूर विजयी रहे।

फिर मड़के अनिल विज: सीएम सैनी के मित्र की चित्रा सरवारा के साथ फोटो पोस्ट की, पूछा-यह रिश्ता क्या कहलाता है

वहीं कार्यकर्ता भाजपा की विरोधी उम्मीदवार चित्रा सरवारा के साथ भी नजर आ रहे हैं। विज ने आगे सवाल उठाते हुए लिखा है कि ये रिश्ता क्या कहता है। उन्होंने लिखा है कि नायब सैनी के परम मित्र बने हुए हैं तो फिर प्रश्न उठता है कि भाजपा उम्मीदवार (अनिल विज) की मुख्तालफत किसने कराई।

आशीष तायल जो खुद को नायब सैनी का मित्र बताते हैं उनकी फेसबुक पर नायब सैनी के साथ अनेकों चित्र मौजूद हैं। आशीष तायल के साथ विधानसभा चुनाव के दौरान जो कार्यकर्ता नजर आ रहे हैं वही कार्यकर्ता चित्रा सरवारा भाजपा की विरोधी उम्मीदवार के साथ भी नजर आ रहे हैं।

अनिल विज पिछले चार दिनों से अपनी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। उन्होंने मीडिया में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के खिलाफ कई बयान दिए हैं।

सरकार पर लगातार हमलावर हैं विज- हरियाणा सरकार के परिवहन मंत्री अनिल विज लगातार अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हैं। विज सरकार में उनकी सुनवाई न होने और उनके आदेशों की अनुपालना न होने पर मुख्यमंत्री नायब सैनी को लेकर लगातार बयान दे रहे हैं।

इससे पहले विज ने कहा था कि वह किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तरह आमरण अनशन कर सकते हैं। विज ने कहा था कि वह अब जनता दरबार के बाद ग्रेवियांस कमेटी की मीटिंग में नहीं जाएंगे। इसके बाद उन्होंने सीएम सैनी को कहा कि जब से वे मुख्यमंत्री बने हैं उस दिन से उड़न खटोले पर सवार हैं, नीचे उतरे तो जनता के दुख दर्द को देखें।

विज की नाराजगी के बाद अचानक से भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की तरफ तीन दिन पहले आशीष तायल को अचानक से कोषाध्यक्ष पद से हटा दिया गया था, मगर उनकी सदस्यता अभी तक बरकरार है।

चुनाव में विपक्षियों से मिलने का लगाया था आरोप

मंत्री विज ने विधानसभा चुनाव के बाद एक कार्यक्रम में मंच से आरोप लगाया था कि कुछ अपने ही लोगों ने गद्दारी की है। कार्यकर्ताओं को विपक्षी के समर्थन को कहा है। इसको लेकर उनके पास पूरे सुबूत हैं। ऐसे लोगों पर कार्रवाई के लिए विज ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को लिखकर भी दिया है मगर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इधर उन्होंने हाल ही में यह तक कहा था कि पहले तो उन्हें शक था कि इस मामले में कोई नेता शामिल है मगर कार्रवाई न होने से यह शक विश्वास में तब्दील हो गया है।

पहले भी हो चुकी है तकरारबाजी- अनिल विज और सीएम नायब सैनी के बीच पहले भी इस तरह की तकरारबाजी देखी जा चुकी है। इससे पहले मनोहर लाल हरियाणा के मुख्यमंत्री थे तब भी दोनों के बीच दखलअंदाजी रहती थी। 12 मार्च 2024 में जब मनोहर लाल ने कैबिनेट मीटिंग में घोषणा की थी कि वह मुख्यमंत्री का पद छोड़ रहे हैं और कार्यकारी जिम्मेदारी नायब सिंह सैनी को सौंप रहे हैं तब अनिल विज ने नराजगी जाहिर करते हुए बैठक के बीच से उठकर चले गए थे। इसके बाद उन्हें मनाने के लिए खुद नायब सैनी विज के घर पर गए थे।

प्लैट ओनर फेडरेशन और जीडीए की बैठके प्रतिमाह आयोजित की जायेंगी - कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो.

गाजियाबाद। सोमवार को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सभागार में प्लैट ओनर फेडरेशन गाजियाबाद ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स के साथ एक बैठक की। बैठक में वीर चक्र प्राप्त कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी के नेत्रत्व में प्रेम शंकर सिंह, आई सी जिंदल, एम एल वर्मा, ज्ञान सिंह, वन्दना जोशी, नमिता भल्ला, संध्या त्यागी, गणेश दत्त, कर्नल मुकेश त्यागी, चंदन सिंह, मंजू घई, प्रवेश त्यागी, राजकुमार त्यागी, प्रमोद कुमार, कपिल कुमार त्यागी, तरुण चौहान, अभय कुमार व गौरव बंसल आदि ने गाजियाबाद के इंदिरापुरम, वसुंधरा मोहननगर, कविनगर और सिटी जोन से भाग लिया।

बैठक में प्लैट ओनर फेडरेशन गाजियाबाद के चेयरमैन कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी ने जीडीए के उस कथन पर



सवाल उठाया जिसमें उन्होंने कहा है कि सोसायटियों में एसोसिएशन बन जाने के बाद जीडीए कोई एक्शन नहीं लेगा। उन्होंने कहा यदि सरकारी संस्थाएं भी इस तरह मुंह मोड़ लेंगी तो सोसायटियों की समस्याओं का समाधान कैसे सम्भव है। यू पी अपार्टमेंट की नियमावली की धारा 48 के अनुसार प्रत्येक एसोसिएशन को फेडरेशन का सदस्य बनना है और उसके निदेशों का पालन करना है। उन्होंने जीडीए के उपाध्यक्ष से कॉम्प्लेंट ऑफिसर होने के नाते इसकी संसुति के लिए कहा। कर्नल त्यागी ने कहा कि आधे से ज्यादा मामले सोसायटियों में एसोसिएशन के आपसी

झगड़ों के हैं। डिप्टी रजिस्ट्रार को जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं है इसलिए वो किन्हीं भी दो चार लोगों की शिकायत पर सोसायटियों के अकाउंट्स पर दोबारा ऑडिट करवाने के आदेश दे देते हैं जिससे खर्च और बढ़ जाता है और बोझ प्लैट ऑनर्स पर पड़ता है।

विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने कहा कि मेरे पास जुमाना वसूलने का और जेल भेजने का अधिकार नहीं है। उन्होंने यह भी बताया की यूपी अपार्टमेंट एक्ट मे बदलाव के ऊपर राज्य स्तर पर तेज गति से काम चल रहा है। बैठक में गुलमोहर एंक्लेव मैं बने अवैध कमरे

और खेलने वाले पार्क में बनाई गई अवैध किचिन, महागुण पुरम, नील पदम, क्रॉसिंग रिपब्लिक, राजनगर एक्सटेंशन, इंदिरापुरम, सी ब्लॉक गोविंदपुरम, वैशाली में के आर मंगलम स्कूल का अतिक्रमण, सामुदायिक भवन बनाने की मांग, क्रॉसिंग रिपब्लिक में रख रखाव शुल्क और अतिक्रमण का मुद्दा आदि समस्याओ को उठाया गया। जीडीए के वीसी ने सभी समस्याओं ध्यान देने और प्रतिमाह फेडरेशन के साथ बैठक करने का आश्वासन दिया और यह सुझाव भी दिया की आज के बाद समस्याओ के साथ समाधान भी बताया जाये।

पुलिस और एसओजी की बदमाशों से मुठभेड़, आठ को दबोचा, एक के लगी गोली

एनपीटी ब्यूरो
बरेली। सीबीगंज पुलिस और एसओजी टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए लूट और डकैती की योजना बना रहे गैंग का पदाफाश किया। पुलिस मुठभेड़ के दौरान आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से एक अपराधी को गोली लगाने से घायल अवस्था में अस्पताल भेजा गया। गिरोह के पास से अवैध हथियार, चोरी के मोबाइल, बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल और नकदी बरामद की गई है।अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सीबीगंज थाना प्रभारी को सूचना मिली कि कुछ सदिग्ध बदमाश टिगुलिया पुल के पास झाड़ियों में छिपे हुए हैं और हाईवे पर लूटपाट की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घटनास्थल पर घेराबंदी की। खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी, लेकिन जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने 8 अपराधियों को दबोच लिया। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश विकास कश्यप को गोली लग गई, जिसे उपचार के लिए



जिला अस्पताल भेजा गया। गिरफ्तार अपराधियों में दिल्ली, हरियाणा, बदायूं, बरेली और हरदोई के निवासी शामिल हैं। जो मिलकर लूट और नकबजनी की घटनाओं को अंजाम देते थे। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान विवेक उर्फ राणा दिल्ली, अखिलेश सिंह निवासी हरदोई, सोनू कश्यप निवासी बरेली, सर्वेश कश्यप निवासी बरेली, सागर सहरावत निवासी दिल्ली, आशु शर्मा दिल्ली निवासी, श्याम सुंदर बदायूं निवासी, विकास कश्यप बदायूं निवासी आरोपियों के पास से दो तमंचे, छह चाकू, चोरी की दो मोटरसाइकिल पल्सर और स्लेंडर, बिना नंबर प्लेट,मोबाइल फोन नगदी

और शराब की बोतलें बरामद कीं। पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि वे दिल्ली और हरियाणा में मोबाइल स्नैचिंग और लूटपाट की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। गिरोह के सरगना सर्वेश कश्यप ने बताया कि उन्होंने बरेली में आकर गैंग बनाकर सोने-चांदी की दुकानों और हाईवे पर लूट की योजना बनाई थी। इसके लिए क उन्होंने 9,000 रुपये में तमंचे और चाकू खरीदे और शराब पीकर लूटपाट की तैयारी कर रहे थे। गिरफ्तार करने वाली टीम में इंस्पेक्टर सीबीगंज सुरेश चंद्र गौतम, इंस्पेक्टर फतेहगंज पश्चिमी प्रदीप चतुवेदी, एसओजी प्रभारी देवेन्द्र सिंह धामा व टीम शामिल रही।

अवैध खनन की ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक सवार को मारी



एनपीटी ब्यूरो
बरेली ,सीबीगंज:- बाइक द्वारा अपने खेत पर जा रहे एक युवक को मिट्टी वाले ट्रैक्टर ट्राली ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। परिजनों ने उपचार हेतु उसे महानगर के एक अस्पताल पर भर्ती कराया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने ट्रैक्टर

ट्राली कब्जे में लेकर आरोपी चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी। थाने में दी तहरीर में रामदास निवासी तिलपुरा दौली रघुवर दयाल ने बताया कि उसका भाई मुनीष अपनी बाइक से खेत की देखभाल करने जा रहा था। रास्ते में तेजी व लापरवाही से चलाते हुए ट्रैक्टर ट्राली के चालक बनी हुई है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने ट्रैक्टर

वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और घायल युवक को उपचार हेतु एक निजी अस्पताल पर भर्ती कराया। वहीं पुलिस को तहरीर देकर आरोपी चालक के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली कब्जे में लेकर आरोपी चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी।

गरीबों के लिए फरिश्ता बने युवा समाज सेवी तारिक हक जमाल

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बागपत। अपने लिए तो सब जीते हैं, लेकिन जीना तो है उसी का जो औरों के काम आए। यह पंक्ति रटौल करबे के रहने वाले युवा समाजसेवी शायर तारिक हक जमाल पर एकदम सटीक बैठती है। वह आज किसी परिचय के मोहताज नहीं है। समाज का हर बच्चा उन्हें उनके नाम से जानता है। बेहद सरल, शालीन एवं खुशनुमा मिजाज के तारिक हक जमाल ने समाज सेवा के क्षेत्र में वो काम कर दिखाए हैं, जिनकी आज हर कोई दाद दे रहा है। कोविड कॉल में लॉक डाउन के दौरान उन्होंने समाज के हर गरीब की चौखट तक राशन-पानी पहुंचाने का काम किया और आज वह कड़कड़ाती सर्दी से समाज के गरीब, निर्धन व असहाय लोगों को बचाने के लिए उन्हें कंबलो का वितरण कर रहे हैं। इसके अलावा गर्मी के दिनों में उनके द्वारा जगह-जगह शीतल जल की प्याऊ



लगाकर लोगों को पानी पिलाया जाता है तथा वृक्षारोपण अभियान चलाकर वे जगह-जगह पेड़-पौधे लगाते हैं, ताकि इस पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके। केवल इतना ही नहीं उनके द्वारा हर सामाजिक व धार्मिक कार्यों में बड़-चढ़कर हिस्सा लिया जाता है। समाज का हर कोई व्यक्ति तारिक हक जमाल के कार्यों की प्रशंसा कर रहा है। तारिक हक जमाल ने कहा कि आज उनके पास अल्लाह का दिया सब कुछ है, जिस कारण उन्हें समाज के गरीब लोगों की सेवा करने का अवसर प्राप्त हो रहा है, यह उनके लिए बहुत ही परम सौभाग्य की बात है।

अमीनगर सराय मोड़ पर तोड़ी गई दुकानों के विरोध में पीड़ितों ने डीएम से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो
अमीनगर/बागपत-सोमवार को करीब 12 बजे अमीनगर सराय निवासी सोहनलाल के मुताबिक प्रधानमंत्री द्वारा संचालित 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत अनुसूचित जाति के उद्योगियों के लिए अमीनगर सराय मोड़ पर 20 दुकान अनुसूचित जाति वित्त निगम के अंतर्गत समाज कल्याण द्वारा निर्माण कराया था। आवंटन के आधार पर दुकानों पर काबिज है। आरोप है कि नाला निर्माण के दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने तीन दुकानें तोड़ दी और अन्य दुकानें भी तोड़ने की तैयारी में है। इससे अनुसूचित जाति के लोग बेरोजगार तथा भूख मरने की नौबत आ जाएगी। बताया गया कि दुकानों से संबंधित वाद सविल न्यायालय बागपत में विचारधीन है। उन्होंने डीएम से शिकायत करते हुए मांग की है कि लोक निर्माण विभाग को आदेशित किया जाए कि उनकी दुकानों को तोड़ा न जाए और तोड़ी गई दुकानों को ठीक कराया जाए तथा दुकानों को तोड़ने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। इस मौके पर महेंद्र, बबलू, शिव नाथ, प्रदीप कुमार, प्रहलाद, राजवीर आदि मौजूद रहे।

यूपी: आठ लाख करोड़ का हो सकता है यूपी का बजट, फरवरी के अंतिम सप्ताह में पेश होने की उम्मीद

एनपीटी ब्यूरो

लखनऊ । यूपी सरकार अपने बजट को अंतिम रूप दे रही है। फरवरी के अंतिम सप्ताह में यह बजट पेश होने की संभावना है। यूपी विधानमंडल का बजट सत्र फरवरी के आखिरी सप्ताह में आहूत किया जाएगा। इसमें करीब 8 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किए जाने

की संभावना है। इस बजट में विकास के योगी मॉडल की छाप दिखेगी। मध्यवर्ग, युवा, किसान और महिलाएं बजट के फोकस में होंगी। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक, अभी सत्र की तिथियां फाइनल नहीं हुई हैं। लेकिन, तैयारियां फरवरी के आखिरी सप्ताह को ध्यान में रखकर की जा रही हैं। सभी विभागों के बजट प्रस्तावों को अंतिम रूप दे दिया गया

है। पेश हो चुका है आम बजट केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को लोकसभा में मोदी सरकार 3.0 का दूसरा बजट पेश किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आम बजट को ऐतिहासिक करार दिया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यह हर भारतीय के सपनों को पूरा करेगा, ह्रविकसित भारतह्व के मिशन

को आगे ले जाएगा और विकास, निवेश और उपभोग को कई गुणा बढ़ाएगा। हालांकि, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आर्थिक संकट को हल करने के लिए बड़े बदलाव की जरूरत पर जोर दिया और बजट को गोली के घाव पर केवल मरहम पट्टी करार दिया। अलग-अलग राजनीतिक दलों ने इस पर प्रतिक्रिया दी है।

धूमधाम के साथ मनाया गया सुप्रसिद्ध समाज सेविका सरबजीत कौर का जन्मदिन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

बागपत। सुप्रसिद्ध समाजसेविका सरबजीत कौर का रविवार को धूमधाम के साथ जन्मदिन मनाया गया। काफी लोग उनके आवास पर पहुंचे और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। काफी लोगों ने उन्हें फूल-बुगो, उपहार व गिफ्ट भेंट किए और उनकी दीघायु होने की कामना की। इसके अलावा सरबजीत कौर को व्हाट्सएप, फेसबुक, मैसेंजर, ट्विटर व इंस्टाग्राम के माध्यम से भी सैकड़ों लोगों ने जन्मदिन की शुभकामनाएं भेजी। फोन कॉल के द्वारा भी सुबह से लेकर रात तक उन्हें बधाई देने का सिलसिला चलता



रहा। सरबजीत कौर एक सुप्रसिद्ध समाज सेविका है और उनके द्वारा समाज हित में अनेकों कार्य किए जाते हैं। हमेशा वह दीन-दुखियों की सेवा के लिए अग्रसर रहती है। दिव्यांगों के उत्थान के लिए भी उनके द्वारा कार्य किए जाते हैं इसके अलावा गरीब लोगों को सर्दी में

कंबल वितरण करना, खाने-पीने के सामानों का वितरण करना, गर्मियों में प्याऊ व छबील में सहयोग करना वृक्षारोपण करना, गरीब बच्चों की पाठ्य सामग्री में उनकी मदद करना आदि ऐसे कई कार्य किए जाते हैं, जिन्हें गिनाना भी मुश्किल है। काफी लम्बे समय तक वह विदेश में रही, लेकिन उसके बाद भी उनका दिल हमेशा भारत के गरीब व जरूरतमंद लोगों की सेवा के लिए धड़कता रहा। उनके कार्यों को देखते हुए कई सामाजिक संस्थाएं उन्हें पुरस्कृत कर चुकी है। समाज का हर कोई व्यक्ति सरबजीत कौर के कार्यों की सराहना कर रहा है और उनसे प्रेरणा लेने की बात कह रहा है।

वसंत पंचमी पर डॉ विनीता सिसोदिया , गरिमा भारद्वाज को सम्मानित किया गया



एनपीटी ब्यूरो
बरेली। वसंत पंचमी के अवसर पर रचनात्मक लेखन मंच न्यास की सचिव एवं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ विनीता सिसोदिया एवं विशिष्ट अतिथि एवं रचनात्मक लेखन मंच की कार्यक्रम संयोजिका गरिमा भारद्वाज को सॉफ्टवेस संस्था द्वारा साहित्यिक एवं सामाजिक कार्यों में निरंतर योगदान देने के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया। गया। डॉ विनीता सिसोदिया ने हिंदी के महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की जयंती पर उन्हें स्मरण करते हुए बताया कि हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति

विद्यार्थियों में जागरूकता होना बहुत आवश्यक है साहित्य समरसता एवं संवेदना को जगाने का काम करता है।तभी जीवन में हर्षोल्लाह की उत्पत्ति हो सकती है। गरिमा भारद्वाज ने मधुर बाणी में संगीत सुनाया ! संस्था ने आज अपने सहयोगियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने रचनात्मक लेखन मंच को अपनी ऊर्जा,समय एवं धन देकर इसे निरंतर प्रगति के पथ पर प्रशस्त किया जिसमें प्रथम स्थान पर गुरुवर प्रोफेसर सुरेंद्र प्रताप सिंह (पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी)के

प्रति आभार व्यक्त किया जिनके संरक्षण में यह संस्था कार्य कर रही है इसी क्रम में डॉक्टर रुकैया खातून, डॉ प्रियंवदा तिवारी, डॉक्टर अनामिका सिंह, डॉ अतुल सिंह, डॉ दीपिका दीक्षित, डॉक्टर सपना पांडे,डॉक्टर रितु त्रिपाठी, डॉ सुनीता दीक्षित, डॉक्टर साधना भारती, अमृता सिंह, संजय सिंह, डॉ नीतू जायसवाल, डॉ चक्रपाणि मुद्गल एवं डॉक्टर बिंदु सिंह डॉक्टर प्रवीन शर्मा, डॉ अनुराग उपाध्याय वरिष्ठ पत्रकार निर्भय सक्सेना के अतिरिक्त सभी कर्मठ सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

लूट की योजना बनाते हुए अन्तर-जनपदीय गैंग के तीन अभियुक्तों पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार,एक आरोपी मुठभेड़ में घायल एसपी दक्षिण अंशिका वर्मा ने किया खुलासा

एनपीटी ब्यूरो
बरेली। अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक फरीदपुर हरेंद्र सिंह द्वारा थाना पुलिस टीम के साथ सोमवार को मुखबिर की सूचना पर चोरी लूट की योजना बनाते हुए तीन आरोपी करन पुत्र राजेन्द्र सिंह पाल फरखपुर थाना फरीदपुर बरेली, हाल निवासी संजय नगर गोपाल नगर थाना बारादरी जिला बरेली 2. अमित पुत्र चन्द्रपाल मौर्य खजुरिया सम्पत मारवाड़ी थाना भूता, बरेली हाल मकान किराया हरेंद्र का मकान संजय नगर गोपाल नगर अभिषेक स्वीट्स के पास थाना बारादरी जिला बरेली 3. विशाल पुत्र रामानन्द राठौर परवाना नगर थाना इज्जतनगर जिला बरेली को बीसलपुर



अंडरपास परा शमशान घाट के सामने बने पार्क कस्बा व थाना फरीदपुर से पुलिस मुठभेड़ के दौरान रात में अभियुक्तगणों द्वारा पुलिस पार्टी के टोकने व चेतावनी देने पर जान से मारने की नियत से पुलिस पार्टी पर फायर किये गये। पुलिस टीम द्वारा जबाबी कार्यवाही में एक अभियुक्त विशाल के दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हुआ है जिसके और कारण कब्जे से दो तमंचा कारतूस व

अभियुक्त अमित उपरोक्त से एक चाकू बरामद हुआ है। घायल अभियुक्त विशाल उपरोक्त को उपचार हेतु सीएचसी फरीदपुर भेजा गया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक थाना फरीदपुर हरेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक मुनेन्द्रपाल, जितेन्द्र कुमार, मुखे आरक्षी संतोष वर्मा,गोलाई यादव, आरक्षी मनोज कुमार नीटू मलिक शामिल रहे।

संपादकीय

राम भरोसे चल रही व्यवस्था के निहितार्थ

डायरेक्ट टैक्स में कमी भी बढ़ाएगी मांग

लंबे अर्से से बढ़ती कीमतों, स्थिर वेतन और करों के बोझ से मध्यम वर्ग वित्तीय दबाव में था। केंद्रीय बजट 2025 में मोदी सरकार ने आयकर छूट सीमा बढ़ाकर व कर दरों में कमी से राहत देने की कोशिश की है। किंतु-परंतु न हो तो अब बारह लाख तक की आय वाले व्यक्ति को कोई कर नहीं देना होगा। धारणा है कि इससे लोगों की आय बढ़ने से उपभोक्ता खर्च में वृद्धि होगी। खपत में वृद्धि से मांग बढ़ेगी जो कालांतर उद्योगों- अर्थव्यवस्था को गति देगी। निस्संदेह आयकर व्यवस्था का सरलीकरण स्वागत योग्य कदम है। वरिष्ठ नागरिकों की व्याज आय पर कटौती की सीमा को दुगुनी करके एक लाख रुपये सालाना करने से उन्हें लाभ मिलेगा। इसी तरह किराये की आय पर निर्भर सेवानिवृत्त लोगों को बढ़ी हुई टीडीएस सीमा का लाभ होगा, जिसे अब बढ़ाकर छह लाख सालाना कर दिया गया है। लेकिन दूसरी ओर ईपीएफ,पीपीएफ, बीमा और होम लोन पर प्रमुख कटौतियों का लाभ हटाने से आम आदमी की वास्तविक बचत खत्म हो सकती है। जिससे दीर्घकालीन बचत में गिरावट संभवित है। नई व्यवस्था पीएफ और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में निवेश को हतोत्साहित करती है। यह स्थिति उनकी भविष्य की वित्तीय सुरक्षा को कमजोर कर सकती है। कर राहत के साथ जरूरी है कि मध्यम वर्ग की आय में वृद्धि हो और मुद्रास्फीति पर नियंत्रण किया जाए। निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्त लोगों की सामाजिक सुरक्षा के बारे में भी सोचना जरूरी है।

लेकिन आयकर राहत से मध्यम वर्ग की बचत-खपत बढ़ने से क्या वास्तव में आर्थिकों की गति मिल सकेगी? एक अनुमान के अनुसार भारत में आबादी का चालीस फीसदी मध्यम वर्ग के दायरे में आता है। दरअसल, भारतीय अर्थव्यवस्था मांग की कमी से जूझ रही है। मध्य वर्ग ही वस्तुओं और सेवाओं का बड़ा उपभोक्ता वर्ग है। उसकी क्रय शक्ति कम होने व बचत नहीं होने से उसकी खरीद क्षमता बाधित हुई है। मांग कम होने से उत्पादन में गिरावट आई है और नया निवेश प्रभावित हो रहा है। यही वजह है कि बीते वर्ष में विकास दर पिछले चार सालों में सबसे कम 6.4 रही है जिसके आर्थिक सर्वे में इस साल 6.8 तक रहने का अनुमान है। जो विकसित भारत के लक्ष्यों के अनुरूप नहीं है। सरकार का मानना है कि आयकर में कटौती से बचत और खपत को बढ़ावा मिलेगा। दरअसल, मध्यम वर्ग उपभोक्ता, कर्मचारी और सहायक सेवा करने वाले लोगों का नियोक्ता होता है। सरकार मानती है कि इससे अर्थव्यवस्था को लाभ होगा। वहीं कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि देश में अप्रत्यक्ष करों में कमी से मांग को ज्यादा बढ़ावा मिल सकता है। अप्रत्यक्ष कर मध्यमवर्ग के बजाय गरीब लोगों को भी देना पड़ता है। दरअसल, हमारी एक सौ चालीस करोड़ की आबादी में नौ करोड़ लोग आयकर रिटर्न भरते हैं और साढ़े तीन करोड़ लोग आयकर देते हैं। इनको राहत देने से सीमित वर्ग की क्रय शक्ति ही बढ़ेगी। कुछ लोग इसे दिल्ली के विधानसभा चुनाव की दृष्टि से उठाया गया कदम बताते हैं क्योंकि वहीं बड़ी संख्या में आयकर दाता सरकारी कर्मचारी रहते हैं।

मौनी अमावस्या की भगदड़ से एक छोटा-मोटा राजनीतिक वाक् युद्ध छिड़ गया, जिसमें अखिलेश यादव ने बदइंतजामी का आरोप जड़ा और कहा कि मौतों की बताई जा रही कम संख्या पर उन्हें विश्वास नहीं है, जबकि राहुल गांधी ने वीआईपी संस्कृति के बारे में शिकायत की है, जो आम लोगों के साथ भेदभाव करती है।

निश्चित रूप से, अभी भी कई लोग लापता हैं। न्यायिक जांच सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करेगी, लेकिन तथ्य यही रहेगा कि उत्तर प्रदेश की राजनीति के महासागर में हलचल मचाने को विपक्षी नेताओं की कही एक भी बात का बूंद बराबर भी असर नहीं है, क्योंकि उन्हें मौजूदा राजनीतिक स्थिति में गंभीर विकल्प के रूप में नहीं देखा जाता। योगी के खिलाफ कोई भी गुस्सा, जैसा कि अब स्पष्ट है, केवल उन गुमनाम भक्तों की ओर से ही आएगा, जिन्हें लगता है कि बहुसंख्यक जनादेश से चुने मुख्यमंत्री ने उनका ख्याल रखने के लिए पर्याप्त नहीं किया।

कुंभ में भगदड़ के चलते हुई श्रद्धालुओं की दुखद मौतों के मामले में जवाबदेही तय करने की मांग को लेकर विपक्ष प्रभावी नजर नहीं आया। इंतजामों को लेकर सवाल उठाये लेकिन वे बयानबाजी भर रहे। दरअसल, उत्तर प्रदेश में गंभीर सियासी विकल्प का अभाव है। जहां तक प्रयागराज में स्थितियों की बात है, यहां विपक्ष के लिए एक सबक भी है।

जो राख से राख, धूल से धूल। उतनी ही भक्ति, निराशा, हताशा, क्रोधझुंझ और तो और संतुष्टि तक को भी खुद में समा ले, सबसे बढ़कर है उसकी पिछले कुछ सहस्राब्दियों से जारी तिरस्कार को सहन करने की शक्ति। और इसीलिए, इस सप्ताह की शुरुआत में प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में पवित्र मौनी अमावस्या की रात को गंगा ने 31 और शवों को जञ्च कर लिया झ बगल के गांव झूसी में भी सात अन्य शवों को झ एक दिन पहले हुई यह भगदड़ हालांकि बहुत छोटी थी। जहां पर कई करोड़ लोग शरीर और आत्मा की शुद्धि के लिए ठीक एक ही समय पर संग में पवित्र डुबकी लगाएं, वहां 38 जिंदगियां कहां गिनती में।

योगी आदित्यनाथ ने अभी भी मृतकों की उस गिनती की पुष्टि नहीं की है जो उनकी पुलिस बता रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने शोक संतप्त परिवारों को दिलासा दिया है। विश्व हिंदू परिषद के वैश्विक प्रमुख आलोक कुमार का कहना है कि इसमें भी प्रभु की इच्छा है। समस्या यह है कि विश्व हिंदू परिषद का नेता सही है। पिछले कुछ दिनों से गंगा किनारे के आश्रमों और अखाड़ों में तीर्थयात्रियों की मौत पर भले ही गहरा दुःख पसरा हो, लेकिन कुल मिलाकर यह भावना अभी भी प्रबल है चलो, हो गया। था तो भयानक, लेकिन फिर यह कुंभ है। वह भी कोई साधारण नहीं, बल्कि महाकुंभ। जब लाखों श्रद्धालु एक साथ इतनी छोटी-सी जगह में इकट्ठे प्रार्थना करना चाहते हों, तो किसी भी सरकार को कैसे दोषी ठहराया जा सकता है?

भरे जैसे लोग आस्थावानों के अडिग भाग्यवाद पर प्रश्न



कर सकते हैं, शायद समस्या का यह भी एक हिस्सा है। आप में कुछ अधिक उद्बेलित हुए अपने पैर पटकते हुए मांग कर सकते हैं कि इस मुख्यमंत्री को बर्खास्त करो, उस डीजीपी का तबादला करो। इसके बजाय, मेरा आपसे अनुरोध है कि गर्माइश भरे अपने घरों से बाहर निकलकर निकटतम रेलवे स्टेशन पर पहुंचें, जहां से प्रयागराज के लिए कुंभ स्पेशल रेलगाड़ियां रवाना हो रही हैं। अपने सिर पर खाने-पीने का सामान लादकर ले जाते श्रद्धालु दिखेंगे : सबसे गरीब तबके के लोग, जिनके पास आलम्बन के तौर पर सर्वशक्तिमान में विश्वास के अलावा कुछ भी नहीं है झयह सोचकर कि शायद, किसी दिन, वह उनकी हालत बहुराएगा। रेल के डिब्बे

इंसानों से खचाखच भरे हैं, तंबई रंग के चेहरों पर काली, उम्मीद भरी आंखें, सिर पर गमछा बांधे पुरुष, चमकीले रंग की साड़ियां पहने महिलाएं झ लाल, नारंगी, गुलाबी झ जो कि उर्वरता और मेले के रंग हैं। बेशक, यह तीर्थयात्रा आनंद पाने के लिए भी है।

गंगा पर बने पटून पुलों से होते हुए संगम की ओर जाते वक्त और वहां से वापसी के दौरान जय मां गंगे का जयकारा गुंजता रहता है। वह रेत, जहां बमुश्किल पांच साल पहले, कोविड के भयानक वर्षों के दौरान शवों को दफनाया गया था। उस रेत को सूंघते-खोदते कुत्तों की तस्वीरें आपको याद होंगी। अब परिवार के परिवार उसी रेत पर विश्राम कर रहे हैं, किटकैट चॉकलेट के रैपरों से बनी प्लास्टिक की चादरों पर। गृह मंत्री अमित शाह और उनकी पत्नी, और साथ में योगी भी, सोमवार को संगम

में डुबकी लगाने पहुंचे थे। इसलिए शहर को जोड़ते 17 पुलों को पुलिस ने सुरक्षा के नाम पर बंद कर दिया था। असहनीय थकान से चूर, गोद में बच्चा उठाए माएं और वृद्ध की हश्यावली है, जो यूपी पुलिस से उन्हें जाने देने की गुहार लगा रहे थे, लेकिन उसने एक न सुनी। अब उनको 4 किमी. आगे जाकर बने 18वें और 19वें पुल तक और घिसटना पड़ा। पुलिस वालों का कहना था : ऊपर से आदेश आया है।

मौनी अमावस्या की भगदड़ से एक छोटा-मोटा राजनीतिक वाक् युद्ध छिड़ गया, जिसमें अखिलेश यादव ने बदइंतजामी का आरोप जड़ा और कहा कि मौतों की बताई जा रही कम संख्या पर उन्हें विश्वास नहीं है, जबकि राहुल गांधी ने वीआईपी संस्कृति के बारे में शिकायत की है, जो आम लोगों के साथ भेदभाव करती है। निश्चित रूप से, अभी भी कई लोग लापता हैं। न्यायिक जांच सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करेगी, लेकिन तथ्य यही रहेगा कि उत्तर प्रदेश की राजनीति के महासागर में हलचल मचाने को विपक्षी नेताओं की कही एक भी बात का बूंद बराबर भी असर नहीं है, क्योंकि उन्हें मौजूदा राजनीतिक स्थिति में गंभीर विकल्प के रूप में नहीं देखा जाता। योगी के खिलाफ कोई भी गुस्सा, जैसा कि अब स्पष्ट है, केवल उन गुमनाम भक्तों की ओर से ही आएगा, जिन्हें लगता है कि बहुसंख्यक जनादेश से चुने मुख्यमंत्री ने उनका ख्याल रखने के लिए पर्याप्त नहीं किया। इसके अलावा, आलोचक यह भी कहेंगे कि यह गुस्सा राजनीतिक चुनौती में तब तक तबदील नहीं हो सकता जब

तक कि किसी के द्वारा इसे दिशा नहीं दी जाती। यूपी में चाहे ऊपर देखें या नीचे- आज कोई एक ऐसा नेता नहीं है जिसके पास विश्वसनीयता, राजनीतिक कूचत या टिकने का वह माद्दा हो, जो भाजपा का सामना कर सके।

विपक्षी नेताओं को सत्ताधारी पार्टी को उसके निरंकुश व्यवहार के लिए कोसना पसंद है झ और भगवान जाने, उनमें बहुत से सही कह रहे हैं। लेकिन देखिए तो, जब पिछले हफ्ते अरविंद केजरीवाल और भाजपा के बीच दिल्ली में यमुना की गंदगी को लेकर राजनीतिक उबाल बना तो राहुल गांधी ने क्या किया?

उन्होंने एसएनएडीआरपी नामक एनजीओ के एक कार्यकर्ता को नाव में साथ लिया और नदी का मुआयना करने निकले झ जो वास्तव में अब एक नाले जितनी बची है ताकि उससे जान सके कि चल क्या रहा है। पीठ पीछे से आती किरणों में राहुल की छवि बढ़िया लग रही थी। लेकिन चलिए सीधे मुद्दे पर आते हैं और उनसे पूछते हैं कि दिल्ली में कांग्रेस को कितने वोट मिलने जा रहे हैं? और अगर राहुल मोदी की भाजपा के खिलाफ एक संयुक्त अखिल भारतीय ब्लॉक बनाने के लिए इतने ही उत्सुक हैं, तो उन्होंने पिछले साल हरियाणा के चुनावों में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन करने करने वाली उनकी सलाह का विरोध करने वाले अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के फैसले को उलट क्यों नहीं दिया? और इस बार दिल्ली में उन्होंने वही विचार क्यों नहीं पेश किया? याद दिला दें, हरियाणा में जीतने वाली भाजपा

वाली कांग्रेस (39.09%) के बीच वोट-विभाजन का अंतर महज 0.85 प्रतिशत अंक रहा, जबकि आम आदमी पार्टी ने 1.79 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। अंदाजा लगाइए कि अगर कांग्रेस और आप मिलकर लड़े होते तो कौन जीतता। फिर भी, कांग्रेस सबक सीखने को राजी नहीं। चुनावों के करीब चार महीने बाद भी पार्टी में अराजकता और तदर्थवाद की भावना व्याप्त है झयहां तक कि राज्य में विधायक दल का नेता अभी तक नियुक्त नहीं किया गया।

हरियाणा की शानदार जीत ने भाजपा को महाराष्ट्र जीतने के लिए जोश से भर दिया। और अब 5 फरवरी को मतदान के साथ दिल्ली के लिए सबसे महत्वपूर्ण लड़ाई बस होने को है। यह कोई संयोग नहीं है कि प्रधानमंत्री ने संगम में डुबकी लगाने के लिए उसी दिन को चुना है झ इसके मायने हैं कि सभी टीवी चैनल मोदी के कुंभ स्नान को बहुत अधिक महत्व देंगे, जिसका अर्थ यह भी है कि दिल्ली के लिए जीवन-मरण की लड़ाई की कवरेज दूसरे स्थान पर सरक जाने का खतरा है।

जहां तक प्रयागराज में जीवन और मरण की लड़ाई की बात है, यहां विपक्ष के लिए एक सबक भी है। साल 2022 में, भाजपा ने फिर से यूपी जीता था (समाजवादी पार्टी की 111 सीटों के मुकाबले 255 सीटें लेकर) इस तथ्य के बावजूद कि योगी का प्रशासन कोविड से निपटने में विफल रहा और लोग मस्खियों की तरह मरे थे। लेकिन योगी फिर भी जीत गए क्योंकि कोई विकल्प बनकर प्रस्तुत नहीं हो पाया- समाजवादी पार्टी के कई नेता दिल्ली खिसक लिए तो कुछ लंदन चले गए। महामारी के दौरान गंगा के किनारे पर शव यात्राओं और दाह संस्कारों में अर्थी को कंधा देने के लिए वे वहां मौजूद नहीं थे।

यही कारण है यूपी में सब राम भरोसे है। इसलिए नहीं कि भाजपा हर गांव और शहर में हर वोट के लिए जूझती है, बल्कि इसलिए कि विपक्ष ऐसा नहीं कर पा रहा।

विश्व कैंसर दिवस- 4 फरवरी, 2025

कैंसर जोखिमों को परास्त करने में योग सहायक

कैंसर एक ऐसा रोग है जिसके बारे में सुनकर ही लोग डर जाते हैं। कैंसर, वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ती गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्याओं एवं बीमारियों में से एक है, जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व कैंसर दिवस दुनिया के हर कोने में कैंसर की रोकथाम, कैंसर के लक्षणों की पहचान और इलाज के प्रति जागरूकता लाने एक महत्वपूर्ण दिन है, इस दिवस को मनाने की शुरुआत साल 2000 में पेरिस में हुई थी। 4 फरवरी 2000 को पेरिस में ह्यवर्ल्ड समिट अगेंस्ट कैंसरह्द कार्यक्रम का आयोजन कर इस दिवस को मनाने की शुरुआत हुई। अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ हर साल एक खास थीम पर वर्ल्ड कैंसर डे मनाता है। यह खास थीम लोगों को जागरूक करने और कैंसर के खिलाफ वैश्विक कार्रवाई को प्रेरित करने के लिए बनाई जाती है। साल 2025 में वर्ल्ड कैंसर डे की थीम ह्ययूनाइटेड बाय यूनीकह्द रखी गई है। इस थीम को रखने का उद्देश्य लोगों को यह बताना है कि कैंसर न सिर्फ इलाज से बल्कि लोगों के आत्मविश्वास एवं मनोबल से जीतने वाली एक लड़ाई है, जिसे हमें जड़ से खत्म करना है। ह्यूमें हूँ और मैं करूँगाह्द जो व्यक्तियों से कैंसर के खिलाफ लड़ाई के लिए व्यक्तिगत प्रतिबद्धता बनाने का आह्वान करता है।

मानव शरीर कई कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। इनका समय-समय पर रिप्लेसमेंट होता है। जैसे-जैसे कोशिकाएं मरती जाती हैं उनकी जगह पर नई कोशिकाओं का निर्माण होता है। इन रिप्लेसमेंट के दौरान जो सेल मल्टिप्लीकेशन होता है उसके अंदर कोई एक विकृत कोशिका भी पैदा हो जाती है और यह असामान्य कोशिका ऐसी होती है जिस पर शरीर के सिस्टम्स का कोई नियंत्रण नहीं होता और यह सेल इस तरह मल्टीप्लाई करता है कि अंततोगत्वा यह ट्यूमर अथवा कैंसर का रूप अख़्तियार कर लेता है। कैंसर कई प्रकार के हो सकते हैं, सभी उम्र के व्यक्तियों में इसका जोखिम देखा जा रहा है। लक्षणों की समय पर पहचान और इलाज प्राप्त करके कैंसर से मृत्यु के जोखिमों को कम करने में मदद मिल सकती है। हर साल लाखों लोग कैंसर से मरते हैं, जो विश्व स्तर पर मृत्यु का प्रमुख कारण है। साल 2022 में दुनिया भर में कैंसर से करीब 9.7 मिलियन लोगों की मौत हुई थी, साल 2040 तक, कैंसर से होने वाली मौतों की संख्या बढ़कर 15.3 मिलियन होने का अनुमान है।

दुनिया में हर छठी मौत कैंसर के कारण होती है। मेडिकल क्षेत्र में क्रांतिकारी प्रयोग और तकनीक विकास के चलते कैंसर अब लाइलाज बीमारी तो नहीं रही है, पर अब भी आम लोगों के लिए इसका इलाज काफी कठिन बना हुआ है। कैंसर से लड़ने के लिए सबसे जरूरी है कि हमें इस बीमारी के बारे में सब कुछ पता हो, इसे कैसे रोका जाए और इसको कैसे डायग्नोस किया जाए। दुनियाभर में विभिन्न आय, आयु, लिंग, जातीयता आदि के समूहों की आबादी द्वारा सामना की जाने वाली कैंसर देखभाल सेवाओं तक पहुंच में अंतर को खत्म करना अपेक्षित है। असाध्य बीमारी होने के बावजूद इस बीमारी को परास्त किया जा सकता है, अगर जिजीविषा, मनोबल एवं हौसला हो तो कैंसर को भी परस्त किया जा सकता है और



ऐसा होते हुए देखा भी जा रहा है। हम जानते हैं कि हममें से हर एक में बदलाव लाने की क्षमता है, चाहे बड़ा हो या छोटा, और साथ मिलकर हम कैंसर के वैश्विक प्रभाव को कम करने में प्रगति कर सकते हैं। अक्सर वही लोग खतरे में पड़ते हैं, जो खुद को खतरे में महफूज समझते हैं या खतरे को गंभीरता से नहीं लेते हैं।

हाल के वर्षों में हासिल किए गए महत्वपूर्ण कैंसर अनुसंधान मील के पथर को साबित हुए हैं और क्षितिज पर आशाजनक नैदानिक विकास का पता लगाया है। पिछले कुछ सालों में विज्ञान ने कैंसर के प्रकारों, कारणों और उपचारों में काफी विकास किया है एवं इस बीमारी से लड़ने एवं इसे परास्त करने में सफलता पाई है। ऐसे तमाम आम और सेलिब्रेटी हैं, जिन्होंने कैंसर का सही समय पर जांच और इलाज करवाकर जीवन का सुख प्राप्त कर रहे हैं। इस दिशा में और भी जागरूकता और सक्रता बढ़ाने की जरूरत है। कैंसर लाइलाज नहीं है, लेकिन इसका इलाज स्टेज 1 या स्टेज 2 में पता लग जाने और तुरन्त ऑपरेशन करके निकाल देने से संभव है। इन वर्षों में अनेक प्रभावी दवाइयों एवं इलाज प्रक्रियाएं भी सामने आयी है जैसे- टगेटेड थेरेपी है, इम्यूनो थेरेपी है। उससे लोगों को काफी आराम मिलता है। उससे अनेक लोगों का खतरा पूरी तरह या कुछ मात्रा में कम हुआ एवं जीवन में कुछ वर्ष बढ़े हैं।

कैंसर ठीक होने के सवाल में एक और बात बताना जरूरी हो जाता है कि कैंसर एक लाइफस्टाइल बीमारी भी है। इसलिये जीवन को संतुलित एवं संयममय बनाकर इस बीमारी को कम किया जा सकता है। आप कैसे रहते हैं, क्या खाते हैं, क्या आपकी आदतें हैं, क्या आपकी बुरी आदतें हैं, उसपर भी निर्भर करता है। लाइफस्टाइल और आहार को पौष्टिक रखने के साथ शराब-धूम्रपान को छोड़कर योग, ध्यान एवं साधना के माध्यम से कैंसर के खतरे से

बचाव किया जा सकता है। कैंसर विश्वभर में मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है। शरीर के किसी हिस्से में असामान्य कोशिकाओं की वृद्धि और इसका अनियंत्रित रूप से विभाजन कैंसर का कारक होती है। आनुवांशिकता, पर्यावरणीय, लाइफस्टाइल में गड़बड़ी, रसायनों के अधिक संपर्क के कारण कैंसर होने का जोखिम बढ़ जाता है। महिलाओं में सर्वाइकल और ब्रेस्ट कैंसर और पुरुषों में फेफड़े-प्रोस्टेट और कोलन कैंसर का खतरा सबसे अधिक देखा जाता रहा है।

कैंसर को नियंत्रित करने में भारतीय योग, आयुर्वेद एवं अध्यात्म की महत्वपूर्ण भूमिका है। क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति को आत्मविश्वास व मानसिक बल मिलता है। अध्यात्म के सहारे से जीवन की यात्रा को सुगम व सरल किया जा सकता है। इसे एक पारंपरिक उपचार प्रणाली के रूप में जाना जाता है, जो पूरे शरीर, मन और आत्मा में ऊर्जा के संतुलन और प्रवाह को पुनर्स्थापित करती है। जिस प्रकार दवाई हमारे शरीर के अंदर जाकर बीमारी को ठीक करती है, ठीक उसी प्रकार आध्यात्मिक इलाज हमारे मन को मजबूत बना कर किसी भी बीमारी से लड़ने की हिम्मत देता है। अध्यात्म में वो शक्ति है, जो हारे हुए व्यक्तित्व को जीवना में नई ऊर्जा भर देता है। अध्यात्म के बहुत सारे अंग हैं जैसे- योग, प्राणायाम, मंत्र साधना, ध्यान, आदि। इसके माध्यम से व्यक्ति अपने आप को भीतर से मजबूत बना सकता है। यही वजह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन में अध्यात्म को अपना लेता है, वो कैंसर से जुड़ी हर पीड़ा, वेदना एवं हर परिस्थिति का डटकर सामना करता है। ऐसा व्यक्ति जीवन में कभी हार नहीं सकता। कैंसर अब एक तरह से जीवनशैली से जुड़ी बीमारी बनती जा रही है। कई बार तो लंबे समय तक यह बीमारी पकड़ में ही नहीं आती। इसका एक बड़ा कारण जागरूकता का अभाव भी है। हालाँकि, कैंसर पूर्व के कुछ लक्षण दिखते हैं, जिन्हें आमतौर पर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मुंह में सफेद या लाल धब्बे, शरीर में कहीं गांठ बन जाना और उसका बढ़ना, लंबे समय तक खांसी, कब्ज की लगातार समस्या, अधिक थकान और वजन में गिरावट जैसे लक्षणों को कतई नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कैंसर संक्रामक रोग नहीं है। कैंसर के मरीजों से दूरी न बनाएं, बल्कि उनके साथ जुड़कर उनको मानसिक संबल दें, उनमें सकारात्मक सोच विकसित करें। कैंसर की जंग में सकारात्मक सोच रोगी का सबसे बड़ा हथियार हो सकता है। सकारात्मक सोच वाले शरीर पर ही दवाइयां अपना असर दिखाती हैं। इसलिए कभी भी व्यक्ति को हताश नहीं होना चाहिए। योग से शरीर, मन और आत्मा को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। रोजाना 30 मिनट तक योग करके कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है। विश्व कैंसर दिवस कैंसर के वैश्विक बोझ पर चिंतन करने के साथ-साथ जांच योगमय संतुलित जीवन और जीवनरक्षक उपचार में हुई प्रगति का जश्न मनाने का भी दिन है। पूरे समुदाय को जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा कैंसर के खिलाफ लड़ाई में व्यक्तिगत, सामूहिक और सरकारी कार्रवाई को प्रेरित करता है।

पुलिस ने 11 बदमाशों को किया गैंगस्टर में पाबंद

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। कोतवाली पुलिस ने लूट, डकैती, अवैध हथियार रखने और मारपीट के मामलों में सल्लित 11 बदमाशों के खिलाफ शुक्रवार को गिरोहबंद की कार्यवाही की है। इन पर गैंगस्टर एक्ट लगाते हुए अभियोग पंजीकृत किया है। इनमें कई बदमाश बुधवार रात को परिक्रमा मार्ग में हुए गोलीकांड में शामिल रहे थे, जिनकी अभी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक रवि त्यागी ने शुक्रवार को अभियुक्त गैंग लीडर सुशील कुन्तल निवासी मोहिनी नगर, पीली कोठी, परिक्रमा मार्ग मूल निवासी ग्राम नगला भूरिया, थाना मगोरा, विपिन



निवासी मोहिनी नगर, पीली कोठी, परिक्रमा मार्ग मूल निवासी ग्राम नगला भूरिया, थाना मगोरा, पवन सिसौदिया निवासी मोहिनी नगर, पीली कोठी, परिक्रमा मार्ग, मूल निवासी ग्राम दलौता, थाना शेरगढ़, रिषभ निवासी

गोविन्द कुण्ड टीला, राधानिवास, मुकेश तोमर निवासी गौरानगर कालोनी, दशरथ सिंह निवासी ज्ञानगुदड़ी, दीपक उर्फ देवेन्द्र निवासी श्यामनगर कालोनी, मोरकुटी के पीछे, परिक्रमा मार्ग, गोलू उर्फ रवि कोली

निवासी किशोरपुरा, नन्दू ठाकुर निवासी गौरानगर कालोनी, अमन कुरैशी निवासी हैजा अस्पताल के पीछे, राधा निवास और शिवम वर्मा निवासी बर्धमान कुन्ज, रेतिया बाजार के खिलाफ गैंगस्टर की कार्यवाही की है। प्रभारी निरीक्षक के मुताबिक, इन्होंने एक संगठित अपराधिक गिरोह बना रखा है।

यह गैंग अन्तर्जनपदीय स्तर पर सक्रिय है। इनके द्वारा लूट, डकैती कर धनोपार्जन करना, अवैध असलाह रखना, लड़ाई-झगड़ा कर जनता में भय व्याप्त किया जाता है। बता दें कि बुधवार रात को परिक्रमा मार्ग में श्याम कुटी के पास हुए गोलीकांड और एक हत्या में सुशील और नंदू नामजद हैं।

मंदिरों में उड़ा गुलाल... ब्रज की विश्व विख्यात होली का आगाज

मथुरा। श्यामा श्याम सलौनी सूरत को श्रृंगार वसंती है... किशोरी श्याम सलौनी सूरत को श्रृंगार वसंती है। माथे चंदन लसियो वसंती, पट पीतांबर कसियो वसंती... रविवार को यह गीत यहां के मंदिरों में गूँजे तो भक्त सुध-बुध भूलकर आराध्य की छवि में ही खो गए। इस दौरान मंदिरों में डांढ़ा गाड़ने के साथ ही ब्रज की विश्व विख्यात होली का रंगारंग आगाज हो गया। मथुरा, बरसाना, नंदगांव और बलदेव सहित अन्य कस्बों के मंदिरों में आराध्य को पीत वस्त्र पहनाकर श्रृंगार किया और गुलाल सेवित किया। द्वारिकाधीश मंदिर और श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर



श्रीकेशवदेव महाराज पर गुलाल उड़ाया गया। ब्रज में वसंत पंचमी से होली की धूम शुरू हो जाती है, जो अगले 40 दिन तक चलती है। इसके मद्देनजर परंपरागत रूप से डांढ़ा गाड़ा गया। मंदिरों में सेवायतों ने अपने आराध्य के कपोलों पर लाल गुलाल

लगाकर श्रृंगार किया, वहीं चांदी के थालों में सजाकर उन्हें गुलाल सेवित किया। इसके बाद श्रद्धालुओं पर गुलाल की बौछार की गई। इससे पूरा मंदिर परिसर गुलाबी हो गया। रंगों से सराबोर भक्त राधे-राधे करते नाचने लगे।

युवा जिला अध्यक्ष रंजीत यादव के नेतृत्व में धुरियाई ग्राम प्रधान पति नरेश यादव ने थामा भारतीय किसान यूनियन टिकैत का हाथ



नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद। सोमवार को धुरियाई में ग्राम प्रधान पति नरेश यादव के आवास पर भारतीय किसान यूनियन टिकैत की बैठक का आयोजन हुआ जिसमें भारतीय किसान यूनियन टिकैत के युवा जिला अध्यक्ष रंजीत यादव ने शाहाबाद क्षेत्र में लगातार अभियान चलाकर संगठन में किसानों को जोड़ रहे हैं युवा जिला अध्यक्ष ने शाहाबाद में संगठन को मजबूत करते हुए सोमवार को धुरियाई ग्राम प्रधान पति नरेश यादव को तमाम ग्रामीणों के साथ भारतीय किसान यूनियन टिकैत की सदस्यता ग्रहण कराई इसके बाद नरेश यादव ने बताया कि मैं ईमानदारी के साथ भारतीय किसान यूनियन टिकैत में जुड़ा हूं और किसानों के हित की लड़ाई लड़ता रहूंगा और संगठन को मजबूत करने के लिए क्षेत्र के तमाम किसानों को जोड़ता रहूंगा इस मौके पर हर स्वरूप राहुल रंजीत मुकेश कुमार आदि शामिल हुए ।

गेट लगाने को लेकर दो पक्षों में हुआ विवाद राजस्व विभाग की टीम से भी की अमदरा लेखपाल ने दी तहरीर

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद जिलाधिकारी रामपुर से की गई शिकायत के निस्तारण को पहुंचे राजस्व विभाग की टीम के साथ कुछ ग्रामीणों ने अभद्रता कर डाली। आपको बता दें की रवाना गांव में एक पक्ष द्वारा गांव में ही रास्ते में गेट लगवा दिया गया था जिसकी शिकायत दूसरे पक्ष के कुछ ग्रामीणों ने जिलाधिकारी रामपुर से की थी । जिसपर नायब तहसीलदार विश्वास दीक्षित के नेतृत्व में पहुंची लेखपालों की टीम ने स्थलीय निरीक्षण किया, जिसमें शिकायत सही पाई गई। कुछ ग्रामीणों द्वारा रास्ते में गेट लगा लिया गया था जिसे हटवाने के लिए जब राजस्व विभाग की टीम गांव में पहुंची तब दोनों पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर पथराव भी कर दिया। वहीं राजस्व विभाग की टीम से भी अभद्रता की गई । जिस पर क्षेत्रीय लेखपाल लखविंदर सिंह की ओर से कोतवाली सैफनी में तहरीर दी गई। तहरीर में सईद, जाबिर, शाने



आलम, ननुआ, सलीम, वहीद, बुद्ध, लतीफ, अनीस, बाबू बेग, अकील बेग आदि के नाम दिए गए हैं। टीम में लेखपाल राजकुमार शर्मा के साथ अन्य लेखपाल व कर्मचारी मौजूद थे। खबर लिखे जाने तक पुलिस तहरीर के आधार पर अपनी आगे की कार्रवाई करने की तैयारी कर रही थी

वसंत पंचमी पर सोने के मुकुट से सजे रामलला धारण की पीतांबरी... ट्रस्ट ने जारी की नई तस्वीरें

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या की सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी व रामलला को अबीर गुलाल अर्पित किया गया। गर्भगृह में पुजारियों ने अबीर गुलाल उड़ाकर रंगोत्सव का आगाज किया। इस मौके पर लाखों श्रद्धालु उमड़ पड़े।

श्रीरामचंद्र कृपालु भजु मन हरण भव भय दारुणम। नवकंजलोचन, कंज मुख कर कंज पद कंजारुणम। कंदर्प अगणित अमित छवि, नवनील नीरद सुंदरम। पटपीत मानहु तड़ित रुचि-शुचि नौमि जनक सुतावरम। सिर मुकुट कुंडल तिलक चारु उदार अंग विभूषणम...। वसंत पंचमी पर रामलला की इस स्तुति के साथ रामलला की दिव्य छवि का दर्शन कर श्रद्धालु मुग्ध होते रहे। पीतांबरी धारण कर सोने के मुकुट से सजे रामलला भक्तों को मोहित कर रहे थे।

देर शाम तक दो लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन-पूजन कर चुके थे।वसंत पंचमी पर सोमवार को रामलला ने पीतांबरी धारण किया। हालांकि दिन के क्रम में उन्हें सफेद वस्त्र धारण करना चाहिए था लेकिन



वसंत के कारण तीर्थ क्षेत्र की ओर से तैयार कराया गया विशेष पीत वस्त्र उन्हें धारण कराया गया। वसंत के साथ ही रामनगरी में रंगोत्सव का भी आगाज हो गया है इसलिए रामलला को अबीर-गुलाल भी अर्पित किया गया। प्रसाद स्वरूप राममंदिर के अर्चकों ने भी एक-दूसरे को गुलाल लगाया।

पुजारी अशोक उपाध्याय ने बताया कि चूँकि वसंत पंचमी का परिधान पीला रंग है, इसलिए रामलला को सोने-चांदी के तारों से जड़ित पीले वस्त्र पहनाए गए। पृड़ी, सब्जी, खीर, हलवा, पकौड़ी, फल व मिष्ठान का विशेष भोग भी अर्पित किया गया। बताया कि वसंत पंचमी के दिन से ही रामलला को अबीर-गुलाल अर्पित करने का क्रम प्रारंभ कर दिया गया है। अब होली तक रामलला की नित्य सेवा के क्रम में उन्हें अबीर-गुलाल भी अर्पित किया

जाएगा।

दिल्ली से आए अनिल बजाज व रीता बजाज भी रामलला के दर्शन कर मोहित थे। बोले कि दिव्य छवि के दर्शन एक घंटे से अधिक समय तक हुए। दर्शन के लिए पंक्ति में लगने के बाद से ही एलईडी में उनकी छवि दिख रही थी, उसको निहारते-निहारते कब गर्भगृह के पास पहुंच गए, पता ही नहीं चला। राम मंदिर सनातन के कीर्तिस्तंभ से कम नहीं।

रामलला के दर्शन कर लौट रही सुल्तानपुर की शिखा पाठक मीरा का भजन पायोजी मैंने राम रतन धन पायो...गुनगुना रहीं थी। बोलीं कि आज रामलला कितने सुंदर लग रहे हैं। उनके गालों पर गुलाल का तिलक मन मोह रहा है। कहा कि भीड़ के चलते दर्शन में थोड़ी समस्या हुई लेकिन रामजी की भव्य छवि देखकर मन तृप्त हो गया।

एडीजी ने किया गिरिराजजी का दुग्धाभिषेक



नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। गोवर्धन में आगरा जोन की एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ रविवार सुबह गोवर्धन के दानघाटी मंदिर पहुंचीं। प्रभु का दुग्धाभिषेक कर उन्होंने पूजा-अर्चना की और पैदल ही सप्तकोसीय परिक्रमा लगाई। एडीजी ने कहा कि गिरिराजजी की शरण में आकर उनको सुखद अनुभूति होती है। पूजन के बाद उन्होंने पैदल गिरिराज प्रभु की परिक्रमा लगाई। इस दौरान उनके साथ अंशु कौशिक भी मौजूद रहे। परिक्रमा के बाद उन्होंने दानघाटी मंदिर पहुंचकर प्रभु का बाल भोग ग्रहण किया। वरिष्ठ सेवायत मथुरादास कौशिक उर्फ लाला पंडित और पवन कौशिक ने उन्हें प्रसादी पटुका और छपन भोग अर्पित किया। इस अवसर पर राजकुमार शर्मा, हरिशंकर कौशिक, अंशु कौशिक, थाना प्रभारी विनोद बाबू मिश्रा, ऋतु यादव, विनय बौद्ध आदि मौजूद थे।

वृन्दावन में हत्यारोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार टांग में गोली लगने से घायल

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। वृंदावन में वांछित हत्यारोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी टांग में गोली लगने से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार थाना वृंदावन पुलिस ने शनिवार रात करीब 10:30 बजे धौरेरा रोड गो ग्राम के बीच वाले रास्ते पर हत्या के मामले में वांछित चल रहे गौतमपाड़ा वृंदावन निवासी विशाल को घेर लिया। आरोपी ने पुलिस को देखते ही गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में



विशाल टांग में गोल लगने से घायल हो गया, जिसे पुलिस ने दबोच लिया। एसपी सिटी डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि 29 जनवरी को परिक्रमा मार्ग पर दो पक्षों में हुए झगड़े के दौरान हुई फायरिंग में एक युवक की मौत और दूसरा

बजट

बजट में उत्तर प्रदेश रेलवे के लिए 19858 करोड़ मौद्रिक राशि

बजट में उत्तर प्रदेश रेलवे के लिए 19858 करोड़ मौद्रिक राशि हुआ आवंटित

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

आगरा। इस वर्ष के पारित बजट के मद्देनजर सोमवार को केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उत्तर प्रदेश में संचालित किए जा रहे रेलवे के विभिन्न परियोजनाों हेतु आवंटित बजट हिस्सेदारी पर प्रेस वार्ता की। उन्होंने बताया कि इस साल के रेलवे बजट का कुल उत्तर प्रदेश रेलवे के लिए 19858 करोड़ रुपए बजट में आवंटित किया गया है। यह उत्तर प्रदेश के रेलवे के कायाकल्प के लिए रामबाण साबित होगा। गौरतलब है कि 1 फरवरी को पारित बजट में रेलवे के लिए आवंटित मौद्रिक राशि तथा विभिन्न परियोजनाओं के सिलसिले में आज केंद्रीय मंत्री ने उत्तर प्रदेश में रेलवे द्वारा जितनी भी योजनाएं, परियोजनाएं संचालित हो रही हैं उनके वर्तमान विकास की अवस्था एवं भविष्य की रूपरेखा पर पत्रकार बंधुओं से परिचर्चा की। उन्होंने कहा कि मौजूदा मोदी सरकार ने विगत 10 वर्षों में उत्तर प्रदेश में रेलवे का पूर्व की सरकारों से 18 गुना ज्यादा बजट आवंटन किया है। इनमें विभिन्न परियोजनाएं, नए स्टेशन, नए-नए ट्रैक, ट्रेकों का मल्टी ट्रैकिंग इत्यादि समाहित है। उन्होंने डबल इंजन की सरकार की महत्ता को उद्घाटित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में रेलवे के विकास में डबल

इंजन की सरकार की महती भूमिका रही है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के रेल के विकास में आने वाली समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ट्रैक बिछाने में चाहे वह जमीन अधिग्रहण की समस्या हो, अनुमति से संबंधित मामला हो या किसानों द्वारा जताई गई आपत्ति या कोई अन्य प्रकार की समस्या हो, इन सबके शीघ्र निस्तारण में मुख्यमंत्री की अहम भूमिका रही है। विकास की इसी सरपट भागती गाड़ी के कारण आज उत्तर प्रदेश में रेलवे बड़ा आकर ले चुका है। उन्होंने यूपी रेलवे के विकास का आंकड़ा प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज 5200 किलोमीटर ट्रैक बिछाए गए हैं। एक प्रदेश में इतने लंबे ट्रैकों की संख्या यूरोप के स्विट्जरलैंड अथवा बेल्जियम के कुल रेल नेटवर्क से अधिक ही है। यह माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत के सपनों को हकीकत में परिवर्तित हो रही तस्वीरों को रेखांकित करता है। निश्चित तौर पर यह उत्तर प्रदेश के रेलवे के लिए बेहद गौरव का विषय है। आगे उन्होंने बताया कि इस वर्ष पूरे उत्तर प्रदेश में 104000 करोड़ का निवेश होगा। जिसमें कई सारे प्रोजेक्ट होंगे। मसलन, अमृत स्टेशन बनाए जाएंगे, रेलवे ट्रैक बिछाए जाएंगे। उन्होंने द्रुत गामी वंदे भारत

उत्तर प्रदेश में रेलवे के विकास संबंधित प्रमुख बिंदु

- उत्तर प्रदेश में रेल के विकास के वर्ष 2025-26 के लिए कुल रुपए 19858 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है। यह वर्ष 2009-14 के दौरान औसत आवंटन 1109 करोड़ से लगभग 18 गुना अधिक है।
- वर्ष 2009-14 की अवधि के दौरान औसतन 199 किमी नए रेल ट्रैक का निर्माण होता था जो वर्ष -2014-25 की अवधि में प्रति वर्ष 474 किमी हो गया।
- वर्ष 2009-14 की अवधि के दौरान औसतन 193 किमी ट्रैक का रेल विद्युतीकरण होता था जो वर्ष -2014-25 की अवधि में प्रति वर्ष 551 किमी(2.8 गुना) हो गया। 2014 से अब तक 6,064 किलोमीटर का विद्युतीकरण किया गया है। उत्तर प्रदेश 100% विद्युतीकृत है।
- 2014 से अब तक उत्तर प्रदेश में 5,209 किलोमीटर नई पटरियाँ बनाई गईं, जो स्विटजरलैंड के पूरे रेल नेटवर्क से अधिक है।
- उत्तर प्रदेश में कुल 4876 किमी के रेल ट्रैक पर कवच लगाने का कार्य स्वीकृत है इसमें से 2043 किमी पर कार्य प्रगति पर या टेंडर प्रक्रिया के अधीन है।
- चालू परियोजनाएँ (नई पटरियाँ): 70 परियोजनाएँ; 5,958 किलोमीटर; 96,283 करोड़ रुपये
- 7,695 करोड़ रुपये की लागत से 157 अमृत स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं।
- 2014 से 1,568 रेल फ्लाईओवर और अंडर-ब्रिज का निर्माण किया गया।
- 2014 से प्रदान की गई यात्री सुविधाएं: लिफ्ट-120, एस्केलेटर: 130 , वाईफाई (स्टेशनों की संख्या): 771
- उत्तर प्रदेश में 25 यूनिक स्टॉपिज वाले 20 जिलों को कवर करते हुए 14 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं।
- 1 अमृत भारत एक्सप्रेस (दरभंगा – आनंद विहार टर्मिनल), जो यूपी में 10 यूनिक स्टॉपिज वाले 10 जिलों को कवर करती है।

ट्रेनों के बारे में बात करते हुए बताया कि 14 वंदे भारत ट्रेन इस समय उत्तर प्रदेश से संचालित हो रही हैं। जिसमें तकरीबन 20 जनपद कवर होते हैं।

उन्होंने बताया कि बहुत जल्द उत्तर प्रदेश में सारे रेलवे को कवच प्रणाली से जोड़ दिया जाएगा। जिससे भविष्य में कोई भी रेलवे दुर्घटना ना हो सके।

माँ शिशु की प्रथम शिक्षका - जिलाधिकारी सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ मातृ सम्मेलन का आयोजन

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर
ललितपुर महारौनी नगर महारौनी में संचालित सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज जो अपनी पहचान जिले में ही नहीं पूरे प्रदेश में बनाये हुए है । यहाँ 4000 से ऊपर भैया/बहिन शिक्षा ग्रहण करते हैं । जहाँ संस्कारों को सबसे पहले महत्व दिया जाता है। भैया एवं बहिनो का बताया जाता है । कि माता - पिता गुरु का सम्मान हमारे जीवन के रंग रूप को बदल देता है। माँ का शिशु के विकास में बहुत योगदान होता है। माँ बिना शिशु का पूर्ण विकास होना मुमकिन है। इसी को देखते हुए विद्यालय में मातृ सम्मेलन का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता शकुंतला कुशवाहा प्रदेश संगठन मंत्री शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश एवं कोषाध्यक्ष अखिल भारतीय कुशवाहा समाज ने की मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय संगठन मंत्री विद्या भारती पूर्वी



उत्तर प्रदेश हेमचन्द्र जी रहे । विशिष्ट अतिथि हमारे जिला के जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी रहे एवं पुलिस अधीक्षक ललितपुर मुहम्मद मुस्ताक,रामकेश जी प्रान्तीय कार्यवाह

,वहीं प्रबन्ध समिति में हमारे विद्यालय के अध्यक्ष , बाल कल्याण समिति के मंत्री एवं ललितपुर जिले के नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मुन्नालाल जैन प्रबन्धक , अध्यक्ष

विद्या भारती कानपुर प्रान्त डॉ. राकेश निरंजन, कोषाध्यक्ष जमुना प्रसाद साहू एवं विद्यालय का कुशल संचालन करने वाले विद्यालय के प्रधानाचार्य ज्ञानेंद्र कुमार एवं सरस्वती शिशु मंदिर के प्रभारी श्याम सुंदर तिवारी जी रहे। माँ का संरक्षण शिशु के जीवन मे होना बहुत जरूरी है । विद्यालय में 1865 माताओं का रजिस्ट्रेशन हुआ माँ बिन शिशु अपने सही मार्ग पर नहीं पहुँच सकता है। उसको प्रांमिभक शिक्षा माँ से ही प्राप्त होती है। इस तरह मातृ सम्मेलन का कार्यक्रम विद्यालय प्रबन्ध समिति ने विद्यालय में आयोजित किया। जिसमें विद्यालय के समस्त आचार्य बंधु / आचार्या बहिने एवं विद्यालय के समस्त कर्मचारियों ने अपना भरपूर सहयोग दिया। कार्यक्रम का संचालन आचार्या बहिन प्रगति पांडेय ने किया । अंत मे विद्यालय के अध्यक्ष महोदय मुन्नालाल जैन जी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भगवान के भक्तों पर सम्पत्ति एवं विपत्ति का नहीं पड़ता कोई प्रभाव- बृजेश

चित्रकूट ब्यूरो: श्रीमद्भागवत जीवन का पूरक ग्रंथ है। भागवत कथा जीव और ब्रम्ह का सम्बन्ध बताती है।

यह विचार जिला मुख्यालय स्थित कमल निवास में चल रही श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के दूसरे दिन सोमवार को कथा व्यास बृजेश कुमार पयासी ने श्रोताओं के समक्ष व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण भगवानी श्रीकृष्ण का वांगमय स्वरूप है और भगवान की शब्दामयी मूर्ति है। उन्होंने भगवान सुकदेव का चरित्र एवं राजा परीक्षित की कथा का वर्णन करते हुए कहा कि इस ग्रंथ की महिमा समझने के लिए श्रीधर स्वामी ने द्वितीय स्कंध में उद्देश्य और लक्षण का वर्णन किया है। उन्होंने कहा है कि इस कल्प तरु का मधुर रस वर्षिणी के नीचे षड्दर्शन मात्र ही आनंदित हो रहा है। अमित गुण सम्पन्न श्रीमद्भागवत का भी सार

इसका दशम स्कन्ध है। श्रीमद्भागवत निगम कल्प तरु के सुपक्व एवं सुरस फल के रूप में और कहीं-कहीं तो स्वयं कल्प तरु के रूप में भी वर्णित है।

कथा व्यास ने कहा कि श्री शिव पुराण संहिता में भगवान श्रीकृष्ण को श्रीमद्भागवत रूपी शाखा-प्रशाखा युक्त कल्प तरु के फल रूप में निरूपित करते हुए, उसकी वंदना की गई है। इसी क्रम में कुंती द्वारा भगवान की स्तुति व दुःख का वरदान मांगना, भगवान के भक्तों पर सम्पत्ति और विपत्ति का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। परम पुरुष स्वयं भगवान श्रीकृष्ण है, जिनके अन्य सभी भगवत स्वरूप अंश कर्ता मात्र है। इसके चलते कृष्ण विषयक प्रीति की ही परम रस में परिणति सम्भव है। प्रेम जितना प्रगाढ़ होता, उतनी ही उसकी आस्वादन चमत्कारिता अधिक होगी और उतनी ही उसमें श्रीकृष्ण को

वशीभूत करने की अधिक शक्ति होगी। दास्य, संख्या और वात्सल्य प्रेम की अपेक्षा बृज सुंदरियों का प्रेम ही परम रस है। इसलिए अप्राकृत वृंदावन के अप्राकृत काम या उज्ज्वल श्रृंगार रस को तब तक समझना कठिन है, जब तक हम अपने जडीय संस्कारों से मुक्त नहीं हो जाते हैं।

इस मौके पर कथा यजमान सोमा शुक्ला, पूर्व विधायक आनंद शुक्ला, मनीष शुक्ला, देवेन्द्र त्रिपाठी, शिवाकांत बलुआ, पुष्पराज सिंह, नवल सिंह चंदेल, आदर्श मिश्र, पुरुषोत्तम पाण्डेय, अभिनव द्विवेदी, विनय मिश्र, सतीश मिश्र, संदीप त्रिपाठी, शेखर मिश्र आदि मौजूद रहे।

अपार आईडी में न्यून प्रगति वाले विद्यालयों की समाप्त होगी मान्यता- बीएसए

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरो: जिला बेसिक शिक्षाधिकारी बीके शर्मा ने बताया कि इस समय जनपद चित्रकूट में छात्र हित में सरकार व विभाग द्वारा अपार आईडी सृजित किये जाने का कार्य संचालित है। बताया कि जनपद में कुल 261 मान्यता प्राप्त विद्यालय (गैर सहायता प्राप्त) संचालित है, जिनमें से अभी तक कुल छात्र संख्या का 50 प्रतिशत से अधिक अपार आईडी सृजित करने वाले विद्यालयों की संख्या 69 है। शेष 192 विद्यालयों द्वारा छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हुए 50 प्रतिशत से अधिक छात्रों की अपार आईडी सृजित नहीं की गयी है।

बीएसए ने कहा कि इन 192 विद्यालयों का यह कार्य आरटीई में उल्लिखित द्वाह्यमान्यता प्रत्याहार विषयक उपयुक्त कार्यवाही में निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा-18द्वारा एवं सरकार की मंशा के विपरीत है। कहा कि जनपद के विकासखण्ड मानिकपुर में मान्यता प्राप्त विद्यालयों में कमशः 39 के सापेक्ष 27 विद्यालयों द्वारा अपार आईडी का 62 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है, इसी प्रकार रामनगर में 30 के सापेक्ष 22 विद्यालयों द्वारा अपार आईडी का 71 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया गया है। इसके अलावा विकासखण्ड चित्रकूट, मऊ, पहाडी एवं नगर क्षेत्र कर्वी के द्वारा अत्यन्त न्यून प्रगति की गयी है, जो अत्यन्त खेदजनक हैं। कहा कि शासनादेश के तहत विद्यालयों को मान्यता अधिनियम की धारा पांच के अनुसार नियम 11 के अधीन उपबन्ध का अनुपालन किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। जिसके अनुसार 192 विद्यालयों (गैर सहायता प्राप्त) का अपार आईडी सृजित न करने तथा छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने के कारण मान्यता प्रत्याहरण की नोटिस निर्गत की जा रही है।

जनपद में धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता अन्तर्गत आदेश लागू

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

ललितपुर कार्यालय अपर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा प्रेस वार्ता के माध्यम से अवगत कराया गया है कि माह फरवरी में 02 फरवरी बसंत पंचमी 12 फरवरी सन्त रविदास जयन्ती, 14 फरवरी को शये-वरात 28 फरवरी को महाशिवरात्रि, 13 मार्च से 15 मार्च तक होली का त्योहार, 28 मार्च को जमात-उल-विदा, (रमजान माह का अंतिम शुक्रवार) 30 मार्च को चेटीचन्द जयन्ती, 31 मार्च को ईद-उल-फितर आदि त्योहार मनाये जाने प्रस्तावित है। इसके साथ 24 फरवरी 2025 से 12 मार्च 2025 तक हाई स्कूलइन्टरमीडिएट बोर्ड परीक्षाएं प्रस्तावित है, उक्त त्योहारों तथा परीक्षाओं के दृष्टिगत जनपद में आसामाजिक तत्वों द्वारा निजी स्वार्थ हेतु शांति व्यवस्था भंग करने एवं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ते के प्रयास की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। अतः उक्त अवसर पर

शांति व्यवस्था के निमित्त प्रतिबंध लगाया जाना आवश्यक एवं समीचीन है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुये कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिये दिनांक 02 फरवरी 2025 से 31 मार्च 2025 तक जनपद ललितपुर की सीमान्तर्गत धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लागू किया जाना अपरिहार्य है।

इसके लेकर अंकुर श्रीवास्तव, अपर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत निपेधाज्ञायें पारित की गई है। इस समयावधि के दौरान किसी भी स्थान पर पाँच या उससे अधिक व्यक्ति समूह के रूप में एकत्रित नहीं होंगे। समन अधिकारी की पूर्व अनुमति के विना कोई भी व्यक्ति, पार्टी अथवा संगठन किसी तरह का प्रदर्शन नहीं करेंगे। यह कि जनपद की सीमाओं में कोई भी व्यक्ति अस्त्र, शस्त्र, लाठी,



डण्डा, चाकू नाला आदि लेकर नहीं चलेगा और न ही शादी विवाह में शस्त्र से कायर आदि करेगा और न ही किसी प्रकार के ज्वलनशील पदार्थ लेकर चलेगा, परन्तु यह प्रतिवन्द्य शासकीय ड्यूटी पर तैनात अधिकारिकर्मचारियों तथा लाठी के संबंध में अपंग व्यक्तियों पर लागू नहीं होगा। कोई भी व्यक्ति किसी भी स्थान, धार्मिक स्थल आदि पर इस प्रकार का भाषण, वक्तव्य चाहे वह मौखिक हो या लिखित रूप में, जारी नहीं करेगा, जिससे किसी बर्म, जाति, सम्प्रदाय अथवा समुदाय,

व्यक्ति विशेष की भावनाओं को ठेस पहुँचे। किसी धार्मिक स्थल का प्रयोग राजनैतिक गतिविधियों के लिये नहीं किया जायेगा तथा किसी भी धार्मिक स्थल में इस प्रकार का कोई ऐसा कृत्य न किया जाये, जिससे सामाजिक धार्मिक एवं जाति द्वेष की भावना उत्पन्न हो। सुरक्षा हेतु ड्यूटी के अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का शस्त्र लेकर सार्वजनिक स्थान पर नहीं निकलेगा और न ही उसका प्रदर्शन करेगा, जिससे जन सानान्य में भय अथवा आकाश उत्पन्न होने की सम्भावना हो। कोई भी व्यक्ति मदिरा व अन्य मादक पदार्थ का सेवन कर जुलूस एवं अन्य सार्वजनिक आयोजनों में प्रवेश नहीं करेगा।

उपरोक्त अवधि में कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक धार्मिक स्थल पर ऐसे किसी उत्तेजित यात्रे एवं भाषण एवं भाषा का प्रयोग नहीं करेगा, जिससे किसी व्यक्ति ६

समुदाय को साम्प्रदायिक द जातिगत धराजनैतिक भावना के प्रति कुप्रभाव पड़े तथा न ही ऐसी बात करेगा, जिससे उस क्षेत्र को शांतिव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े व वाणी, प्रचार सामग्री द्वारा ऐसी चात नहीं करेगा, जिससे जन-शांति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो व जन भावना उद्बेलित होने की सम्भावना हो।

कोई भी व्यक्ति उयत अवधि में सक्षम अधिकारी की अनुमति के विना लाउडस्पीकर (व्यनि के यन्त्रों) तशग डी०जे० का प्रयोग नहीं करेगा। उक्त प्रतिबंधात्मक आदेश विशेष परिस्थितियों में अधोहस्ताक्षरीयुप जिला मजिस्ट्रेट, ललितपुर-महारौनी तालबेहटध्यालीध्मड़ावरा द्वारा अनुमति दिये जाने पर उस सीमा तक शिथिल होंगे, जिस सीमातक अनुमति दी जायेगी। यह आदेश आज दिनांक 01 फरवरी 2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा मोहर लगाकर जारी किया गया।

मंडलायुक्त ने वसंत पंचमी के अवसर पर रामघाट में व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर की गंगा आरती

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरो: प्रयागराज महाकुंभ व वसंत पंचमी मेले के दृष्टिगत श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का सोमवार को चित्रकूटधाम मंडल बांदा आयुक्त अजीत कुमार व पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार सिंह ने अपर मंडलायुक्त अमरपाल सिंह व जिलाधिकारी शिवशरणप्पा के साथ निरीक्षण किया। साथ ही पूजा-अर्चना कर गंगा आरती भी की।

मंडलाआयुक्त अजीत कुमार ने प्रयागराज महाकुंभ 2025 व वसंत पंचमी मेला के सकुशल संपन्न कराए जाने के लिए रामघाट पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान मंडलायुक्त ने कहा कि मेले को सकुशल संपन्न करना हम सभी का



दायित्व है। मेले में किसी अप्रिय घटना न होने पाए इसलिए सेक्टर मजिस्ट्रेट व जोनल मजिस्ट्रेट नामित किए गए हैं। कहा कि वसंत पंचमी मेले को देखते हुए श्रद्धालुओं के लिए बिजली, पानी, भोजन आदि की व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को कोई समस्या न होने पाए। उन्होंने कहा कि मेले में जिनकी ड्यूटी लगाई गई है, वह तत्परता के साथ ड्यूटी करेंगे ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या न होने पाए। उन्होंने अधिशासी

अधिकारी कर्वी को निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र की लगातार साफ-सफाई करवाते रहे। इस दौरान मंडलायुक्त ने रामघाट पर पूजा-अर्चना कर आरती भी की। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, उप जिलाधिकारी कर्वी पूजा साहू, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी, अधिशासी अभियंता सिंघाई एस के प्रसाद, अधिशासी अधिकारी कर्वी लालजी यादव सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रयागराज महाकुंभ व वसंत पंचमी पर डीएम ने मेला क्षेत्र का किया निरीक्षण, बांटा प्रसाद



नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

चित्रकूट ब्यूरो: वसंत पंचमी के त्यौहार पर लाखों श्रद्धालुओं ने मंदाकिनी में डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की। प्रयागराज महाकुंभ शाही स्नान एवं वसंत पंचमी की व्यवस्थाओं को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं पुलिस अधीक्षक अरण कुमार सिंह ने बेड़ी पुलिया, यूपीटी एवं रामघाट का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

प्रयागराज महाकुंभ शाही स्नान पर्व एवं वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर डीएम एवं एसपी ने रामघाट का भ्रमण कर मां मंदाकिनी गंगा में डुबकी लगा रहे श्रद्धालुओं से वार्ता की। डीएम ने मेला क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद कर्वी लालजी यादव सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

इस दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने रामघाट पर श्रद्धालुओं को प्रसाद का भी वितरण किया। डीएम ने कहा कि पिछले तीन दिनों से श्रद्धालुओं को लगातार प्रसाद का वितरण

प्रयागराज महाकुंभ में जाने वाले श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो, इसके लिए धर्मनगरी में यातायात व्यवस्था को लेकर सुगम व्यवस्था कराई गई है। तीर्थ यात्रियों के ठहरने के लिए शेल्टर होम तथा पार्किंग की व्यवस्था जनपद के कई स्थानों पर कराई गई है ताकि किसी भी श्रद्धालु को कोई असुविधा न हो। साथ ही पर्याप्त पुलिस बल भी लगाया गया है एवं मजिस्ट्रेट भी लगाए गए हैं, जो पूरे मेला क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर चिन्हित स्थानों में तैनात रहकर मेले को सकुशल संपन्न कराया जा सके। इस मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर राजकमल, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद कर्वी लालजी यादव सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

इस दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने रामघाट पर श्रद्धालुओं को प्रसाद का भी वितरण किया। डीएम ने कहा कि पिछले तीन दिनों से श्रद्धालुओं को लगातार प्रसाद का वितरण

किया जा रहा है, जो आगे भी होता रहेगा। श्रद्धालुओं की सेवा करना ही मान्यता है। कहा कि मेले में जिनकी ड्यूटी लगाई गई है, वह तत्परता के साथ ड्यूटी करेंगे ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या न होने पाए। इसी क्रम में चित्रकूटधाम कर्वी नगर पालिका के राजस्व निरीक्षण राहुल पाण्डेय च खाद्य एवं सफाई निरीक्षण कमलाकांत शुक्ला द्वारा रामघाट में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें वसंत पंचमी के अवसर पर अपर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। गौरतलब है कि ग्रीपा चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से छह दिनों का अनवरत भंडारा रामघाट में आयोजित किया गया है। जिसकी जिम्मेदारी राजस्व निरीक्षण राहुल पाण्डेय, बृजेश रावत, शुभम तिवारी, पीडी यादव आदि संभाल रहे हैं। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी कर्वी पूजा साहू, उपजिलाधिकारी (प्रशिक्षु) हर्षिता देवड़ा, समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह भदौरिया, अधिशासी अधिकारी कर्वी लालजी यादव सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर पर खटकड़ क्षेत्र के लोगो ने किया क्रमिक अनशन

बूंदी विधायक ने विधानसभा में उठायी सहायता की मांग

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो
बूंदी 3 फरवरी। मनीष मीणा हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर सोमवार को खटकड़ क्षेत्र के ग्रामीणों ने भैरूपुरा ओझा के पूर्व सरपंच चेताराम मीणा के नेतृत्व में जिला कलेक्टर एक दिवसीय क्रमिक अनशन किया।

बूंदी विधायक ने विधानसभा उठायी मामला-वहीं सोमवार को विधानसभा में बूंदी विधायक हरिमोहन शर्मा ने नियम 295 के तहत विधानसभा में शिक्षक मनीष मीणा हत्याकांड का मामला उठाते हुये कहा कि मनीष मीणा के पीड़ित परिवार को हार्दिक सहायता की मांग को लेकर पिछले कई दिनों से बूंदी जिला कलेक्टर पर सर्व समाज की ओर से धरना चल रहा है लेकिन अभी तक पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री सहायता कोष से कोई सहायता राशि नहीं मिली है मनीष मीणा के परिवार को अनुकंपात्मक नियुक्ति भी नहीं दी जा रही है। विधायक हरिमोहन शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार को मुख्यमंत्री सहायता कोष से राशि स्वीकृत करनी चाहिये और नियमों में शिथिलता देते हुये परिवार को अनुकंपा नियुक्ति देनी



चाहिये।

ये रहे क्रमिक अनशन पर- जिला कलेक्टर पर धरना सोमवार को 27 वे दिन भी जारी रहा। सोमवार को पूर्व सरपंच चेताराम मीणा के नेतृत्व में पूर्व तहसीलदार रामकरण मीणा, उपसरपंच मदनलाल गुर्जर, देवकरण मीणा, गिरांज भीमगंज, गोबरीलाल गुर्जर, भीमशंकर मीणा, कालूलाल मीणा, महावीर मीणा, रामप्रसाद सैनी, गजेंद्र सिंह मीणा, परशुराम मीणा, भंवरलाल, मानमल मीणा क्रमिक अनशन पर रहे।

धरने पर ये शामिल हुये-वही सोमवार को जिला कलेक्टर पर धरने पर मीणा समाज जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, सरंक्षक आनंदीलाल मीणा, पीसीसी सदस्य चमेश शर्मा,

सत्येश शर्मा, एडवोकेट हरिप्रसाद कवरिया, पूर्व प्रधान मधु वर्मा, एडवोकेट हेमराज मीणा नाड़ाहेत, कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता प्रेम शंकर बैरवा, ग्रामीण जिला अध्यक्ष लोकेश मीणा, एडवोकेट देवराज मीणा, राकेश आमली, माली समाज जिलाध्यक्ष मथुरा देवी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य सूरज सिंह मीणा, महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव ममता जैन, पूर्व नगर अध्यक्ष निर्मला शर्मा, दुर्गालाल मीणा, नितेश बैरागी, पूर्व पार्षद पंशु सिंह, मुकेश मीणा, पुजारी मगन भारती, बजरंग लाल, देवलाल मीना छोटेलाल मीणा, रामकिशन किराड़, रविंद्र कुमार, शंभु प्रजापत, सविता कुमावत, गोबरीलाल मेघवाल, रामप्रकाश मेघवाल, दुर्गालाल मीणा, कालू लाल

मीणा, प्रभुलाल मीणा, गीताराम मीणा, शमशेर मीणा माधु लाल बेरवा, लादू लाल गुर्जर, नीरज मीणा, मनोज मीणा, कन्हैया लाल सैनी, किशन लाल सैनी, रमेश कुमार वर्मा, रामलाल मीणा, रघुवीर सिंह, रामप्रकाश, रामेश्वर मीणा, रामस्वरूप मीणा, हरिमोहन, प्रेम शंकर मीणा, नवल, विकास गोस्वामी, कुलदीप प्रतिहार, रामनिवास मीणा, अशोक मीणा, राजेश मीणा, कल्याण, रहीस, भोजराज मीणा, प्रहलाद मीणा, कृष्णगोपाल, खेमराज, पूर्व सरपंच हनीफ भाई, टीकम, गिरीराज, मोडूलाल वर्मा, लोकेश मीणा, रोहित जैन, रमेश माटुंगा, रामलाल बालापुरा, रामलक्ष्मण मीणा आदि सम्मिलित हुये।

गिरधारी लाल मेघवाल को न्याय दिलाने की मांग

को लेकर अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार विरोधी संघर्ष समिति ने सौंपा ज्ञापन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो झुंझुनूं। जिला कलेक्टर रामावतार मीणा एवं पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं को अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार विरोधी संघर्ष समिति ने गिरधारी लाल मेघवाल को न्याय दिलाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। बलबीर सिंह काला ने बताया कि ज्ञापन के जरिए मांग की गई है कि बुगाला निवासी प्रहलाद मेघवाल, गिरधारीलाल मेघवाल की कृषि भूमि के पास 10 वर्ष पूर्व सीमेंट की सड़क बनाई गई थी। जिस पर पत्थर गढ़ी की गई थी। अब सड़क का चौड़ीकरण किया जा रहा है। बजरंग लाल जाट एवं रामजी लाल जाट ने सड़क के पास पत्थर गढ़ी कर दी है। सड़क का चौड़ीकरण करने के लिए जमीन अकेले प्रहलाद एवं गिरधारीलाल मेघवाल की कृषि भूमि में से सड़क के लिए जमीन



हेतु दबाव बना रहे हैं। जबकि नियमानुसार पूर्व में बनी हुई सड़क को चौड़ा किया जाता है तो सड़क के सेंटर से दोनों तरफ आधी-आधी बढ़ाई जाती है। समिति के पदाधिकारी ने बताया कि मेघवाल परिवार के इन लोगों के साथ मारपीट, गाली गलौज और जाति सूचक गालियां दी हैं। इस संबंध में गुढा थाने में एफआईआर दर्ज. करवाई गई है।

जिसके एफआईआर नम्बर 0041/2025 है। जिला कलेक्टर से उच्च स्तरीय राजस्व अधिकारी से जाँच करवाने की माँग की

गई। पुलिस अधीक्षक से दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने की माँग की गई। प्रतिनिधिमंडल में संरक्षक प्रो जयलाल सिंह सरोवा, बलवीर सिंह काला, निरंजन आल्हा, विधि सलाहकार एडवोकेट सीताराम सेवदा, महासचिव विकास आल्हा, विरेंद्र मीणा, प्रहलाद मेघवाल बुगाला, गिरधारीलाल मेघवाल, रणधीर सिंह बुगालिया, एनआर बुगालिया, हरिराम सोगन, नंदलाल टोडी, मूलचंद मेघवाल, छोटेलाल, अनिल, मुकेश आदि शामिल थे।

खैरथल में बनेगा भगवान परशुराम का भव्य मंदिर, रखी गई आधारशिला

खैरथल: खैरथल के परशुराम भवन में भगवान परशुराम का भव्य मंदिर बनेगा। इसमें सवा तीन फीट लंबी संगमरमर की प्रतिमा स्थापित कराई जाएगी। मंदिर निर्माण के लिए रविवार को परशुराम भवन खैरथल में समाज सेवी बीएन अवस्थी एवं शारदा अवस्थी ने भूमि पूजन कराया।

इस अवसर पर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी एवं समाज सेवी बीएन अवस्थी ने कहा भगवान परशुराम के दिव्य और भव्य मंदिर का निर्माण होगा परशुराम जन्मोत्सव पर खैरथल शहर के मातौर रोड परशुराम भवन में रविवार को 10:15 बजे भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापना से पूर्व भूमि पूजन का आयोजन किया गया इस अवसर पर पंडित अभिनव शर्मा की ओर से मंत्र उच्चारण कर कर भूमि

पूजन कर प्रसाद वितरण किया गया विदित रहे कि भामाशाह पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी वृजनंदन अवस्थी एवं उनकी धर्मपत्नी शारदा देवी अवस्थी द्वारा 29 अप्रैल मंगलवार को भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापना एवं भंडारे का आयोजन परशुराम भवन मातौर रोड पर उनकी ओर से किया जाएगा ।

इस अवसर पर भामाशाह वृजनंदन अवस्थी, शारदा देवी अवस्थी, विष्णु दत्त शर्मा,। प्रेम कौशिक, रविंद्र शर्मा, अमित शर्मा, परमानंद, देवेन्द्र वत्स, सुरेश शर्मा, अंकित लाटा, संजय शर्मा, मोहनलाल शर्मा पूर्व पार्षद, मनोज, दिनेश कौशिक, राकेश, बिल्लू, लवनीश, आदि ब्राह्मण समाज के सदस्य एवं पदाधिकारी मौजूद रहे

भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापना से पूर्व हुआ भूमि पूजन

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो खैरथल- खैरथल शहर के मातौर रोड परशुराम भवन में रविवार को 10:15 बजे भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापना से पूर्व भूमि पूजन का आयोजन किया गया इस अवसर पर पंडित अभिनव शर्मा की ओर से मंत्र उच्चारण कर कर भूमि पूजन कर प्रसाद वितरण किया गया विदित रहे कि भामाशाह पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी वृजनंदन अवस्थी एवं उनकी धर्मपत्नी शारदा देवी अवस्थी द्वारा 29 अप्रैल मंगलवार को भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर भगवान परशुराम की मूर्ति स्थापना एवं भंडारे का आयोजन परशुराम भवन मातौर रोड पर उनकी ओर से किया जाएगा इस अवसर पर भामाशाह वृजनंदन अवस्थी, शारदा देवी अवस्थी, विष्णु दत्त शर्मा,। प्रेम कौशिक, रविंद्र शर्मा, अमित शर्मा, परमानंद, देवेन्द्र वत्स, सुरेश शर्मा, अंकित लाटा, संजय शर्मा, मोहनलाल शर्मा पूर्व पार्षद, मनोज, दिनेश कौशिक, राकेश, बिल्लू, लवनीश, आदि ब्राह्मण समाज के सदस्य एवं पदाधिकारी मौजूद रहे

गुर्जर समाज बालिका छात्रावास भूमि आवंटन की मांग



ब्यूरो -एनपीटी

बूंदी! बालिका छात्रावास भूमि आवंटन की मांग की गई! राजस्थान गुर्जर महासभा युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष हेमराज गुर्जर बूंदी के नेतृत्व में आज गुर्जर समाज का प्रतिनिधि मंडल अतिरिक्त जिला कलेक्टर साहब को गुर्जर समाज की बालिकाओं के लिए छात्रावास भूमि आवंटित करवाने के लिए ज्ञापन सोपा गया ।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर साहब से छात्रावास भूमि आवंटन की मांग करते हुए

ज्ञापन सोपा गया जिसमें बताया कि समाज के दूर दराज से आने वाली गरीब छात्राओं के लिए एक छात्रावास के लिए राज्य सरकार की ओर से भूमि आवंटन की जल्द प्रक्रिया की जावे। इस दोहरान रामनारायण गुर्जर देवराज गुर्जर उदय लाल गुर्जर सोजीलाल गुर्जर महादेव गुर्जर अर्जुन जी गुर्जर भीमराज गुर्जर जुगराज जी गुर्जर रामस्वरूप गुर्जर सोनू गुर्जर एवं समाज के सभी गन मान्य लोग मौजूद

राष्ट्रीय जाट महासंघ ने शराब बंदी व फिजूलखर्ची बंद करने का संकल्प लिया



नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

झुंझुनूं खेतड़ी। नंगली सलेदी सिंह स्थित बगड़िया कॉम्प्लेक्स में राष्ट्रीय जाट महासंघ की बैठक बड़ाऊ ब्लॉक अध्यक्ष अनिल बगड़िया की अध्यक्षता में हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय जाट महासंघ के जिला उपाध्यक्ष कैप्टन शिवप्रसाद चौधरी थे।

बड़ाऊ ब्लॉक कार्यकारिणी व ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर समाज में व्याप्त सामाजिक कुरतियों व बुराईयों को जड़ से खत्म करने का संकल्प लेकर प्रस्ताव महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. विरेन्द्र क्यामसरिया को भेजा गया।

जिला उपाध्यक्ष कैप्टन शिवप्रसाद चौधरी ने बताया कि शादियों में शराब को पूर्ण रूप से बन्द कर फिजूलखर्ची रोकने के लिए गांवों में अभियान चलाया जाये। ब्लॉक अध्यक्ष अनिल बगड़िया ने ध्वनि प्रदुषण रोकने के लिए डीजे बजाने पर पाबंदी लगाकर शादीयों में कम से कम खर्चा करने की बात बताई।

इस अवसर पर बड़ाऊ ब्लॉक प्रभारी सुनील काजला, उपाध्यक्ष सुरेश मील, सचिव जितेंद्र मिठारवाल, सचिव राकेश जीतरलाल, चौधरी महेश बगड़िया, अशोक कुमार व डॉक्टर विक्रम सिंह उपस्थित थे।

किसानों की बनाई जाएगी फार्मर रजिस्ट्री आई.डी.

शिविरों मे किसानों को मिले योजना का लाभ- जिला कलेक्टर

खैरथल-तिजारा, 3 फरवरी।* जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्टर सभागार में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

जिला कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के तहत वर्तमान प्रगति की समीक्षा कर प्रगति को बढ़ाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन की पाइपलाइन डालने में क्षतिग्रस्त हुई सड़क कि गत बैठक के निर्देशानुसार इस सप्ताह 11 किलोमीटर मरमट की गई तथा शेष सड़क को भी रिपेयर करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना के तहत अधिक से अधिक लोगों को जागरूक कर रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के निर्देश दिए तथा एग्रीटेक फार्मर्स रजिस्ट्री शिविरों में किसानों को भी पीएम सूर्य घर योजना के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने एग्रीटेक फार्मर्स रजिस्ट्री शिवरो के आयोजन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देकर इन शिवरों के माध्यम से दूसरे महत्वपूर्ण विभागों को जोड़कर किसानों को अन्य विभागों की योजनाओं के बारे में जानकारी देकर ज्यादा से



ज्यादा लाभान्वित करने हेतु निर्देशित किया।

जिला कलेक्टर ने बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों को सम्पर्क पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों एवं ई-फाइल का समयबद्ध डिस्पोजल करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिला स्तरीय जनसुनवाई के प्रकरणों का समयबद्धता से निस्तारण करने तथा पिछली जिला स्तरीय जनसुनवाई के लंबित प्रकरणों का निस्तारण आगामी जनसुनवाई (गुरुवार) से पूर्व करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने राइजिंग राजस्थान में हुए एमओयू की एक-एक कर उनकी प्रगति पर चर्चा करते हुए धरातल पर लाने के निर्देश दिए। उन्होंने रोजगार मेले के संबंध में अधिकारियों को कार्य आवंटित कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

जिला कलेक्टर ने बिजली विभाग के लिए ट्रांसफार्मर की

उपलब्धता, सड़क निर्माण कार्य, मौसमी बीमारी, संपर्क पोर्टल पर परिवारों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने नगर परिषद आयुक्त को रैन बसेरे का निरीक्षण सहित डेयरी बूथों के आवंटन प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने शहर को स्वच्छ रखने हेतु खैरथल नगर पालिका क्षेत्र में भी सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों से प्रस्तावित जीएसएस की जानकारी लेकर त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने किसानों से अपील की है कि वे एग्रीस्टेक योजना में फार्मर्स रजिस्ट्री प्रोजेक्ट में अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में भाग लें और फार्मर्स रजिस्ट्री आई.डी. बनवाकर इस योजना का लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि 5 फरवरी से 7

फरवरी तक खैरथल कि ग्राम पंचायत पाटनमेवान, ईसाईलपुर में शिवरो का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार किशनगढबास कि ग्राम पंचायत खानपुर मेंवान, बघेरी कलां, कोटाकसिम कि ग्राम पंचायत भौंकर, खानपुर अहीर, हरसौली कि ग्राम पंचायत गिरवास, नांगल सालिया, तिजारा कि ग्राम पंचायत बिछला, मुण्डाना, टपूकड़ा कि ग्राम पंचायत मायापुर, मसीत, मुण्डावर कि ग्राम पंचायत मातौर, जिन्दोली में 5 फरवरी से 7 फरवरी तक शिवरो का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिवरों का आयोजन 31 मार्च तक किया जाएगा।

बैठक के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीड़ा अतुल प्रकाश, कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, अधिशासी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग, अधीक्षण अभियंता पीएचईडी धर्मवीर यादव, नगर परिषद आयुक्त मुकेश शर्मा, नगर परिषद कनिष्क अभियंता, कोऑपरेटिव, समाज कल्याण, बिजली, ट्रांसपोर्ट, शिक्षा, सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

रजिस्ट्री शिविर ग्राम पंचायतों में 5 फरवरी से लगेंगे शिविर

फार्मर रजिस्ट्री शिविरों का होगा आयोजन

ब्यूरो -एनपीटी

बूंदी, 3 फरवरी। बूंदी जिले में एग्रीस्टेक योजना अंतर्गत 5 फरवरी से फार्मर रजिस्ट्री अभियान का आयोजन किया जाएगा। इस तहत ग्राम पंचायत र?तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला कलक्टर अक्षय गोदारा ने बताया कि तहसील रायथल में 5 से 7 फरवरी को खटकड़, 7 से 9 को अन्धड़ा, 10 से 12 को रायथल एवं लालपुरा, 13 से 15 को बम्बोरी एवं ख्यावदा, 17 से 19 को रिहाणा, भैरूपुरा ओझा, अजेता, मायजा एवं गेण्डोली, 20 से 22 को फौलाई में आयोजित किए जाएंगे।

इसी तरह तहसील बून्दी में 5 से 7 फरवरी को सिलोर, 7 से 9 को नमाना, 10 से 12 को भैरूपुरा बरड़, दौलाड़ा, 13 से 15 को लोईचा, धनातरी, 17 से 19 को आमली, गुढ़ानाथावतान, नयागांव, रामगंज एवं कालपुरिया, 20 से 22 को गादेगाल, जावटीकलां, उलेड़ा, हट्टीपुरा एवं मंगाल, 27 फरवरी से 1 मार्च को गुमानपुरा, माटून्दा, नीम का खेड़ा, गरड़दा एवं रामनगर में आयोजित किए जाएंगे।

इसी प्रकार तहसील तालेड़ा में 5 से 7 फरवरी को बरून्धन, 7 से 9 को बुधपुरा, 10 से 12 को अल्फानगर, डाबी, 13 से 15 को बड़ून्दा, धनेश्वर, 17 से 19 को बाजड़, डोरा, बल्लोप, खड़ीपुर एवं जवाहर सागर, 20 से 22 को गोपालपुरा, देहित, रघुनाथपुरा, देलून्दा एवं

गणेशपुरा, 24 से 26 को गामछ, लाम्बाखोह, जाखमूण्ड, राजपुरा एवं जमीतपुरा, 27 फरवरी से 1 मार्च को सूतड़ा, कैथूदा, लाडपुर, लक्ष्मीपुरा एवं लीलेड़ा व्यासान, 3 से 5 मार्च को नौताड़ा भोपत, सीन्ता, सुवांसा, तालेड़ा एवं तीरथ, 6 से 8 को ठीकरिया चारणान, अकतासा में आयोजित किए जाएंगे।

इसी प्रकार हिण्डोली में 5 से 7 फरवरी को सथूर, 7 से 9 को बडगांव, 10 से 12 को बड़ानयागांव, अलोद, 13 से 15 को गोतड़ा, विजयगढ़, 17 से 19 को खेरखटा, सांवतगढ़, चतरगंज, आकोदा एवं पंच की बावड़ी, 20 से 22 को अणदगंज, मेण्डी, चेंता, उमर एवं रोणिजा, 24 से 26 को बसोली, धोवड़ा, काछोला, दबलाना एवं सहसपुरिया, 27 फरवरी से 1 मार्च को डाबेटा, टोंकड़ा, भवानीपुरा, डाटून्दा एवं ओवण, 3 से 5 को गुढ़ा, खीण्या, बडौदिया एवं रानीपुरा, 6 से 8 को गोकुलपुरा, ठीकरदा, मांगलीकलां, धाबाईयों का नयागांव एवं रोशन्दा, 10 से 12 को पंगारा, नेगढ़, तालाबगांव, थाना एवं छाबड़ियों का नयागांव, 17 से 19 को रामचन्द्र जी का खेड़ा में आयोजित किए जाएंगे।

इसी प्रकार तहसील केशोरायपाटन में 5 से 7 फरवरी को चित्तावा, 7 से 9 को सारसला, 10 से 12 को बोरदा काछियान, रड़ी, 13 से 15 को चड़ी, आजन्दा, 17 से 19 को सूनगर, करवाला की झौपड़िया, करवाला,

बालोद एवं गुड़ली, 20 से 22 को जलोदा, हिंगोनिया, बलकासा, रेंटेदा एवं लेसरदा, 24 से 26 को अरनेटा, झालीजी का बराना एवं माधोराजपुरा, 27 फरवरी से 1 मार्च को भीया, चरड़ाना एवं जयस्थल में आयोजित किए जाएंगे।

इसी प्रकार तहसील इन्द्रगढ़ में 5 से 7 फरवरी को मोहनपुरा, 7 से 9 को नवलपुरा, 10 से 12 को देहीखेड़ा, बाबई, 13 से 15 को नोताड़ा, दौलतपुरा, 17 से 19 को घाट का बराना, पापड़ी, बड़ाखेड़ा, सुमेरगंजमण्डी एवं गुढ़ा, 20 से 22 को बलवन, रेबारपुरा, उतराना, बसवाड़ा एवं लबान, 24 से 26 को माखीदा, खरायता, सखावदा, गुहाटा एवं चाणदा खुर्द में आयोजित किए जाएंगे।

इसी प्रकार तहसील नैनवां में 5 से 7 फरवरी को बांसी, 7 से 9 को भजनेरी, 10 से 12 को बाछोला, जरखोदा, 13 से 15 को सीसोला, जजावर, 17 से 19 को तलवास, खानपुरा, फूलेता, सुवानिया एवं माणी, 20 से 22 को दुगारी, जैतपुर, गुढ़ासदावर्तिया, खजूरी एवं डोकून, 24 से 26 को पीपल्वा, समीथी, कैथूदा, डोडी एवं गुढ़ादेवजी, 27 फरवरी से 1 मार्च को बामनगांव, सहण, मरां, कोलाहेड़ा एवं बालापुरा, 3 से 5 को आंतरदा, सादेड़ा, मोडसा, करवर एवं रजलावता, 6 से 8 मार्च को गंभीरा में आयोजित किए जाएंगे।

सोने के टॉप्स का डिब्बा गायब करने वाली तीन महिलाएं गिरफ्तार

माल भी किया बरामद, मुजफ्फनगर की रहने वाली हैं महिलाएं, दुकानदारों को बातों में उलझाकर की थी चोरी की वारदात

■ एसपी ने पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता में किया मामले का खुलासा

एनपीटी संवाददाता

शामली। एसओजी टीम व शहर कोतवाली पुलिस ने नेहरु मार्किट स्थित शगुन ज्वैलर्स की दुकान से सोने के 24 टॉप्स का डिब्बा चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपित महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी किया गया सामान भी बरामद कर लिया है। सोमवार को पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता में मामले का खुलासा करते हुए एसपी रामसेवक गौतम ने बताया कि मौहल्ला शिवगंज मंडी निवासी रोहित जैन पुत्र जितेन्द्र जैन को नेहरु मार्किट में



शगुन ज्वैलर्स के नाम से दुकान से है। 30 जनवरी की शाम को करीब 4 बजे तीन अज्ञात महिलाओं ने आभूषण देखने के बहाने दुकान से सोने के 24 टाप्स से भर डिब्बा चोरी कर लिया था। घटना के संबंध में रोहित ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। एसओजी टीम व पुलिस ने मामले की जांच व सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आरोपित महिलाओं को गिरफ्तार

कर लिया। पूछताछ में महिलाओं ने अपने नाम गीता पत्नी अमित निवासी रामपुरी कालोनी जनपद मुजफ्फनगर, रोशनी पत्नी संजय निवासी होली चौक रामपुरी जनपद मुजफ्फनगर व सुशीला पत्नी राजेन्द्र निवासी मौहल्ला लद्दोवाला जनपद मुजफ्फनगर बताए। पूछताछ में महिलाओं ने बताया कि वे एक दूसरे को काफी समय से जानती हैं। 30 जनवरी को उन्होंने



चोरी की योजना बनाई और शामली पहुंच गयी। करीब 4 बजे वे नेहरु मार्किट स्थित शगुन ज्वैलर्स पर पहुंची तथा ज्वैलरी देखने लगी, इसी दौरान उन्होंने दुकानदार को अपनी बातों में उलझा लिया और दुकानदार द्वारा दिखाए गए ज्वैलरी के प्लास्टिक के डिब्बे को उठाकर पीछे बैठी अपनी साथी रोशनी को दे दिया। गीता व सुशीला ने ज्वैलर्स को बातों में उलझाए रखा और बाद

में सामान पसंद न आने पर वहां से उठकर ली गयी। इसके बाद वे तीनों ई-रिक्षा में बैठकर एसटी तिराहे के पास पहुंची तथा निकट ही स्थित एक खंडहर की झाड़ियों में उक्त डिब्बा छिपा दिया। एसपी ने बताया कि पुलिस ने महिलाओं की निशानदेही पर आभूषण का डिब्बा भी बरामद कर लिया है। महिलाओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।

ऑनलाइन पैसा जमा करने के बावजूद भी आज तक नहीं मिला विद्युत कनेक्शन

अधिकारियों के चक्कर काट रहा जसाला का किसान, अधिकारियों पर टरकाने के आरोप

एनपीटी संवाददाता

शामली। गांव जसाला निवासी एक किसान शुल्क जमा करने के बावजूद भी आज तक विद्युत कनेक्शन न मिलने पर अधिकारियों के चक्कर काट रहा है। पीडित किसान का आरोप है कि विद्युत अधिकारी उसे लगातार झूठे आश्वासन दे रहे हैं। पीडित किसान ने अब मुख्यमंत्री से मामले का संज्ञान लेने की गुहार लगायी है। गांव जसाला निवासी किसान सुरेशपाल ने निजी नलकूप के विद्युत कनेक्शन के लिए जमा योजना के तहत 1 लाख 44 हजार 895 रुपये ऑनलाइन जमा कराए थे लेकिन आज तक भी किसान को विद्युत कनेक्शन नहीं मिला। पीडित किसान बार-बार अधिकारियों के चक्कर काट रहा है लेकिन उसकी कोई सुनवाई नहीं की जा रही है।

स्कूल जाने वाले रास्ते को ठीक कराए जाने की मांग

शामली। कैराना के गांव बदलूगढ़ स्थित प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक राकेश सेनी ने डीएम को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि स्कूल में प्रतिदिन 150 बच्चे शिक्षा ग्रहण करने के आते हैं लेकिन गांव के सामने पानी की निकासी ठीक न होने के कारण स्कूल जाने वाला रास्ता बेहद खराब हो चुका है, जहां पर कई बच्चे स्कूल आने के दौरान गिरकर घोटिल भी हो चुके हैं, वहीं कई बच्चे तो इस रास्ते के कारण स्कूल ही नहीं आ पाते, इसके अलावा अन्य लोगों को भी आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में वार्ड 6 की सभासद कोमल द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी को भी प्रार्थना पत्र दिए जा चुके हैं लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी है। प्रधानाध्यापक ने डीएम से छत्र हितों को देखते हुए रास्ते को जल्द से जल्द ठीक कराए जाने की मांग की है।

किसान का कहना है कि उसने विद्युत कनेक्शन के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली थी और पैसा भी ऑनलाइन जमा करा दिया था। कई बार इस संबंध में उच्चाधिकारियों को भी अवगत कराया गया लेकिन लेकिन विद्युत विभाग के अधिकारी उसे लगातार झूठे आश्वासन देकर टरका रहे हैं। पीडित किसान ने अब मुख्यमंत्री से मामले की शिकायत करते हुए मामले का संज्ञान लेकर उसकी समस्या का समाधान करने की गुहार लगायी है, साथ ही मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने की भी मांग की।

संक्षेप समाचार :

परचूर की दुकान से महिला ने साफ किया सर्फ का पैकेट

शामली। मौहल्ला धर्मपुरा निवासी निशिकांत संगल ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि उनके वार्ड में एक महिला दुकान के बाहर रखे सामान को उठाकर ले जाती है। रविवार को भी मौहल्ला गुजरतियान में उक्त महिला ने परचूर व्यापारी नरेश कुमार की दुकान से 5 किलोग्राम का एक सर्फ का पैकेट चोरी कर लिया। यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। सभासद ने पुलिस से महिला को पकड़कर उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

शहर में जाम से जूझते शहरवासी, झेलनी पड़ी मुसीबत



शामली। शहर में जाम के हालात सुधरने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं जिस कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं ट्रेनों के आने के कारण धीमानपुरा रेलवे फाटक के बार-बार बंद होने से और ज्यादा मुसीबत बढ़ जाती है। सोमवार को भी शहर में जाम के हालात बने रहे जिससे वाहन चालकों को दिक्कतें उठानी पड़ी वहीं बार-बार फाटक बंद होने से भी वाहनों की लंबी लाइन लगी रही जिस कारण पैदल चलने वालों को भी रास्ता नहीं मिल पाया। जाम धीमानपुरा फाटक से लेकर भिवकी मोड़, सुभाष चौक तक लगा रहा वहीं हनुमान रोड पर भी वाहनों की अधिकता के चलते जाम लगा रहा। बाद में किसी तरह जाम खुलने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

स्वयंसेवकों ने स्वच्छता व सड़क सुरक्षा की ली शपथ



कैराना। विजय सिंह पथिक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रथम इकाई के तत्वावधान में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने स्वच्छता एवं सड़क सुरक्षा की शपथ ली। सोमवार को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेंद्र पाल सिंह के संरक्षण व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. डॉली के निर्देशन में सभी स्वयंसेवकों प्रथम सत्र के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने एकत्रित कूड़े का निस्तारण किया। इसके साथ ही उन्होंने पौधों को जल से सिंचित किया। द्वितीय सत्र में स्वयंसेवकों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत का गायन किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. डॉली ने एनएसएस स्वयंसेवकों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

चरस के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

कैराना। वेकिंग के दौरान पुलिस ने एक आरोपी को अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया। सोमवार को पुलिस ने बताया कि टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान बंद पड़ी सरिया फैक्ट्री के निकट से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से 130 ग्राम अवैध चरस व एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अफसर उर्फ छोटा निवासी भूरा चुंगी बताया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसका जमानत कर दिया है।

हथियारों से हमले के प्रयास का आरोप

हॉड के ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पर किया हंगामा, समुदाय विशेष के लोग करते हैं दबंगता, पंचायत भवन पर भी है कब्जा

■ डीएम से की आरोपितों पर कार्रवाई व पंचायत भवन को कब्जा मुक्त कराने की मांग

एनपीटी संवाददाता

शामली। थानाभवन क्षेत्र के गांव हॉड के सैकंडों ग्रामीणों ने गांव के ही समुदाय विशेष के लोगों पर पंचायत भवन पर कब्जा करने व बसंत पंचमी पर होली डालने वाले लोगों पर लाठी, डंडों व धारदार हथियारों से हमले का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए कलेक्ट्रेट पर जमकर हंगामा काटा। ग्रामीणों का आरोप है कि उक्त लोगों ने पंचायत भवन में रखा कीमती सामान भी गायब कर दिया। ग्रामीणों ने एक स्वर में कब्जाधारियों पर कार्रवाई की मांग की।



जानकारी के अनुसार सोमवार को थानाभवन क्षेत्र के गांव हॉड के सैकंडों महिलाओं व पुरुषों ने कलेक्ट्रेट पर हंगामा काटा। ग्रामीणों का कहना था कि गांव के पंचायत भवन में पहले से ही होली डाली जाती है लेकिन लगभग तीन सालों से पंचायत भवन पर समुदाय विशेष के लोगों ने कब्जा कर रखा है। उक्त लोगों ने पंचायत भवन का कीमती सामान, समरसेबिल, पानी

का टैंक आदि सामान भी गायब कर दिया है। ग्रामीणों ने कई बार इस संबंध में शिकायत भी की लेकिन आज कोई कार्रवाई नहीं की गयी। गत वर्ष भी उक्त लोगों ने होली में आग लगा दी थी जिससे गांव में तनाव फैल गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि रविवार को बसंत पंचमी के दिन भी होली नहीं डालने दी गयी तथा होली डालने पहुंचे लोगों पर लाठी, डंडों व धारदार

कांधला क्षेत्र में आधा दर्जन ट्यूबवैलों में चोरी

चोरी की बढ़ती वारदातों से किसानों में आक्रोश, हाथ पर हाथ धरे बैठी पुलिस

एनपीटी संवाददाता

शामली। कांधला क्षेत्र में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। अज्ञात चोरों ने क्षेत्र के गांव चढ़ाव व गद्दी दौलत में आधा दर्जन से अधिक किसानों की ट्यूबवैलों को एक बार फिर निशाना बनाते हुए हजारों रुपये के कीमती उपकरण चोरी कर लिए। चोरी की बढ़ती वारदातों से किसानों में भी रोष बढ़ रहा है और पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। जानकारी के अनुसार कांधला क्षेत्रों में इन दिनों चोरों का आतंक बना हुआ है। चोर आए दिन किसी न किसी किसान की ट्यूबवैल को अपना निशाना बना रहे हैं। रविवार की रात भी अज्ञात चोरों ने क्षेत्र के गांव चढ़ाव में किसानों की ट्यूबवैलों पर धावा बोल दिया और वहां से हजारों रुपये का कीमती सामान चोरी कर लिया। इसके अलावा गांव गद्दी दौलत निवासी चार किसानों की चढ़ाव स्थित ट्यूबवैलों से भी अज्ञात चोरों ने बिजली के उपकरण चोरी कर लिए। चोरी की बढ़ती वारदातों से किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है लेकिन कांधला पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। पीडित किसानों ने



पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

कांधला क्षेत्र में अब तक हुई चोरियों का विवरण

दिसम्बर माह में चढ़ाव निवासी किसान बिंदर की ट्यूबवैल में चोरी, गांव किवाना निवासी किसान का ट्रैक्टर ट्राली चोरी, जनवरी महीने में गद्दीदौलत निवासी किसान खुर्शीद, गुफरान व जमशेद की ट्यूबवैलों से हजारों की चोरी, कांधला निवासी विपुल शर्मा की इस्लामपुर घसीली रोड स्थित ट्यूबवैल पर चोरी, पंजोखरा निवासी मांगेराम और सुरेश की ट्यूबवैलों पर चोरी, चढ़ाव निवासी ओमसिंह, रहतू, गौतम, जसबीर की ट्यूबवैलों पर धावा, पंजोखरा निवासी सतीश की किरयाना की दुकान में चोरी और अब रविवार की रात चढ़ाव निवासी किसान बबलू, पिताम्बर और सतपाल व गद्दी दौलत निवासी किसान खुर्शीद, जमशेद, गुफरान व सफदर की ट्यूबवैल से सामान चोरी की घटना शामिल है।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति मे

मौत, हत्या का आरोप

बाबरी। गांव केड्डी मे एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति मे मौत हों गई। विवाहिता के स्वजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। बाबरी पुलिस द्वारा विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सोमवार को बाबरी क्षेत्र के गांव केड्डी मे 25 वर्षीय विवाहिता आयुषी की संदिग्ध परिस्थिति मे मौत हो गई। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार शामली निवासी विवाहिता आयुषी की शादी करीब तीन वर्ष पूर्व सुवरज पुत्र राजेंद्र के साथ हुई थी। सोमवार को आयुषी की तबीयत अचानक खराब होने पर ससुरालियों ने उसे निजी चिकित्सालय मे भर्ती कराया, जहां से उसे गंगा अमृत अस्पताल ले जाया गया। वहां पर डॉक्टरों द्वारा विवाहिता को मृत घोषित कर दिया गया। विवाहिता के स्वजनों

■ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

को मौत की जानकारी हुई तो परजिन मौके पर पहुंचे। विवाहिता की दादी ने ससुरालियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी गई है। सूचना पर बाबरी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी राहुल कादियान ने बताया कि विवाहिता की तीन वर्ष पूर्व शादी हुई थी। विवाहिता के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत के कारण का खुलासा रिपोर्ट आने पर होगा। इस मामले में अभी कोई तहरीर भी नहीं दी गई है।

शामली के पैरा खिलाड़ियों ने बरेली में आयोजित चैम्पियनशिप में रचा इतिहास

18 स्वर्ण, 11 सिल्वर व 17 ब्राज मैडल जीतकर शामली जिले को दिलाया पहला स्थान, विभिन्न स्पर्धाओं में पैरा खिलाड़ियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

एनपीटी संवाददाता

शामली। बरेली में संपन्न हुई 9वीं उत्तर प्रदेश पैरा एथलीट चैम्पियनशिप में शामली पैरा एथलेटिक्स खिलाड़ियों ने 18 स्वर्ण, 11 सिल्वर व 17 ब्राज मैडल जीतकर इतिहास रच दिया है। आल ओवर चैम्पियनशिप में शामली जिले को पहला स्थान मिला है जिससे खिलाड़ियों में उत्साह है।

सहारनपुर मंडल पैरा एथलेटिक्स कोऑर्डिनेटर जबरसिंह खैवाल ने बताया कि बरेली में 1 व 2 फरवरी को संपन्न हुई 9वीं उत्तर प्रदेश पैरा एथलीट चैम्पियनशिप में शामली पैरा एथलेटिक्स के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन



करते हुए 18 स्वर्ण, 11 सिल्वर व 17 ब्राज मैडल जीतकर इतिहास रचा है। शामली जिले को उत्तर प्रदेश में पहला स्थान हासिल हुआ है वहीं आल ओवर चैम्पियनशिप में भी शामली जिले

को प्रथम स्थान मिला। उन्होंने बताया कि प्रतिभागिता में साफिक ने 400, नेहा ने 400 मीटर वौड में स्वर्ण, पायल ने शाटपुट, कपिल ने हाई जम्प, गौरव ने पावर लिफ्टिंग, पालन ने पावरलिफ्टिंग, शांटपुट,

डिस्कस श्रो, संदीप ने लांग जम्प, अक्षय चौहान ने जैवलिन, अवनोश ने 100, 400 मीटर, बिलाल ने जैवलिन श्रो, शिवम ने शांटपुट, सिद्धार्थ ने शाटपुट, सावन ने क्लब श्रो व परवेज ने पावर लिफ्टिंग में गोल्ड मैडल हासिल किया। वहीं शारिक ने 1500 मीटर, शालू ने 400 मीटर, भावना ने शाटपुट, सिद्धार्थ ने जैवलिन श्रो, सुनील ने जैवलिन, अंकित भाटी ने जैवलिन, पुनीत ने पावर लिफ्टिंग, परवेज ने जैवलिन, अनिरुद्ध ने शाटपुट, रानी ने लांग जम्प व राजबल ने जैवलिन में सिल्वर मैडल हासिल किया। इसके अलावा अंकित ने लांग जम्प, प्रियांशु ने शाटपुट, अभी पवार ने लांग जम्प, शालू ने लांग

जम्प, अंकित ने शाटपुट, शिवम ने 100 मीटर वौड, अभी पंवार ने जैवलिन, जितेन्द्र ने जैवलिन, मोहसीन ने 5 किलोमीटर वौड, परवेज ने 1500 मीटर, अमर ने शाटपुट, संदीप ने जैवलिन, राजेन्द्र ने शाटपुट, सलमान ने शाटपुट, मुनेश ने जैवलिन, सुरज ने शाटपुट, अनुराधा ने शाटपुट, सपन ठाकुर व रोहित ने जैवलिन में ब्राज मैडल जीतकर शामली जिले का नाम गौरवान्वित किया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पैरा एथलेटिक्स एसोसियेशन के अध्यक्ष कविन्द्र चौधरी, जेपी चेयरपर्सन व विकास मलिक ने बच्चों को एथलेटिक्स के टिप्स दिए। इस मौके पर कोच अंकित कुमार, विकास, राजबल आदि भी मौजूद रहे।

गौकशी के झूठे मामले में फंसाने की धमकी

बलवा के ग्रामीणों ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर की कार्रवाई की मांग

एनपीटी संवाददाता

शामली। गांव बलवा के ग्रामीणों ने गांव में गौशाला चलाने वाले एक व्यक्ति पर उनसे पैसों की मांग करने और विरोध करने पर गौकशी के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए एसडीएम से कार्रवाई की गुहार लगायी है। जानकारी के अनुसार गांव बलवा के ग्रामीणों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में एसडीएम को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वे बलवा के चारागाह के नंबर में लगभग 50 साल से रह रहे हैं। ग्रामीणों के वहां करीब 1 हजार पुराने मकान, मस्जिद व मंदिर भी हैं। इस बस्ती में लगभग ज्यादा आबादी मुस्लिमों की है। सभी लोग मेहनत मजदूरी करके



अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं लेकिन गांव में गौशाला चलाने वाला एक व्यक्ति आए दिन उनसे पैसों की मांग करता है तथा न देने पर उन्हें गौकशी करवाकर झूठे मामले में फंसाने की भी धमकी

देता है। ग्रामीणों ने उक्त व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस मौके पर ज्ञानान, सावित्र, राशिद, अहसान, कासिम, शफी, समतुल्ला, मोमीन, अनवर, नफीस, जनाब, वसीम, फरमान, साहिल, वसीम, नफीस आदि मौजूद रहे।

झामुमो की स्थापना दिवस समारोह में दहाड़े हेमन्त - कल्पना, राज्य के 1 लाख

36 हजार करोड़ रुपए बकाया लेने के लिए संघर्ष करना होगा - हेमन्त सोरेन

एनपीटी
दुमका के गांधी मैदान में आयोजित झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के 46 वां स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित करते हुए सीएम हेमन्त सोरेन ने कहा कि बाबा तिलका माझी, भगवान बिरसा मुंडा, सिंदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो, पोदो हो, टाना भगत, नीलांबर-पीतांबर, शेख भिखारी जैसे कई वीरों की क्रांतिकारी भूमि है झारखण्ड। कहा देश के निर्माण में झारखण्ड ने हमेशा अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मगर हमें हमेशा अपने हक-अधिकार के लिए लड़ाई लड़नी पड़ी है। केन्द्र सरकार के आम बजट में भी झारखण्ड को दरकिनार कर दिया गया। हमें अपने राज्य के 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपए बकाया लेने के लिए संघर्ष करना होगा। झारखण्ड में लोगों को सशक्त करने के लिए हम अनुदान देते हैं, लाभ देते हैं, जबकि केन्द्र सरकार लोगों को ऋण के जंजाल में फंसाकर उन्हें बांधना चाहती है। ऐसा यह लोग सिर्फ अपने कुछ मित्रों को ही फायदा पहुंचाने के लिए करते हैं। उन्होंने कहा कि आदरणीय बाबा दिशोम गुरुजी और कई आंदोलनकारियों के अथक संघर्ष के बाद हमें यह राज्य मिला। अब इसे मिलकर आगे ले जाने का काम हमें करना है। कहा वर्षों से चले आ रहे, देर रात तक चलने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में दुमका में झामुमो के 46वें स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम में शामिल हुआ। संथाल परगना समेत राज्य के विभिन्न



कोनों से आए सभी लोगों को हार्दिक बधाई, आभार और जोहार। वही झारखण्ड मुक्ति मोर्चा 46वां स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित करते हुए गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि आप सभी झारखंडवासियों और झामुमो के कर्मठ कार्यकर्ताओं के बीच बोलने और अपने विचार साझा करने का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यह सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे संघर्ष, बलिदान और संकल्प का प्रतीक है। यह पल मेरे दिल के बेहद करीब रहेगा। उन्होंने कहा कि नेमरा गांव का वह बालक, जिसने गरीब-गुरबों, दलितों और वंचितों की आवाज बनकर महाजनी प्रथा के खिलाफ विद्रोह किया, झारखण्ड के हक और अस्मिता के लिए संघर्ष किया और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के रूप में हम सभी के पथप्रदर्शक बने। कहा उन्होंने झारखण्ड को एक नई पहचान दी, एक अलग राज्य का सपना साकार किया और अपने पूरे जीवन को झारखण्डवासियों के अधिकारों की

रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। इसी वजह से आज पूरा झारखण्ड उनके साथ खड़ा है। कल्पना सोरेन ने कहा कि आज मैं आप सभी झारखंडवासियों और झामुमो परिवार के हर कर्मठ साथी का दिल से आभार व्यक्त करता हूं, क्योंकि आपकी ताकत और विश्वास की बदौलत अबुआ सरकार लगातार दो बार सत्ता में आई है। आपने हमें सेवा करने का अवसर दिया, और हमने दिल से झारखण्ड के विकास और जनकल्याण के लिए कार्य किया। आने वाले भविष्य में भी झारखण्ड की अस्मिता, हक और अधिकार की रक्षा के लिए हेमन्त जी के नेतृत्व में अबुआ सरकार ही सत्ता में आयेगी। उन्होंने कहा कि कोविड के कठिन दौर में जब पूरा देश मुश्किल में था, तब भी झारखण्ड में किसी ने भूख से दम नहीं तोड़ा, क्योंकि अबुआ सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी रही। लेकिन इससे पहले डबल इंजन सरकार के दौर में गरीब-गुरबों की कोई सुनवाई नहीं

थी। उस समय झारखण्ड में भूख से हुई मौतें इस बात की दर्दनाक गवाही है कि सत्ता में रहते हुए इन्होंने झारखण्ड के असली लोगों की तकलीफों को कभी नहीं समझा। कहा इन्होंने विकास की गाड़ी नहीं चलाई, बल्कि डबल इंजन की ताकत से झारखंड को लूटा। लेकिन झारखण्ड की जनता ने इनके छलावे को पहचान लिया और आप सभी के प्यार और भरोसे ने हेमन्त जी को झारखण्ड की सेवा करने का अवसर दिया। आज, जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो गर्व से कह सकते हैं कि हमने सिर्फ सरकार नहीं, बल्कि झारखण्ड के भविष्य को मजबूत करने का काम किया। कल्पना सोरेन ने कहा कि हमारा संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। झारखण्ड को उसके हक का हर अधिकार दिलाना है, इसे विकास और आत्मनिर्भरता की नई ऊंचाइयों तक ले जाना है और इसके लिए हम सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा। झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के 46वें स्थापना दिवस समारोह को सांसद विजय हसना, सांसद महोआ मांझी, विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी, हेमलाल मुर्मू व एमटी राजा अन्य ने भी सम्बोधित किया। दुमका की ऐतिहासिक धरती पर पूर्व जिला अध्यक्ष श्याम यादव, केन्द्रीय समिति सदस्य हाजी समाद आली व अजीजूल इस्लाम समेत हजारों से अधिक झामुमो कार्यकर्ता सहित झामुमो प्रेमी शामिल हुए।

मन्दिरों के गांव मलुटी में आयोजित होने जा रही कबड्डी प्रतियोगिता में पाकुड़ की टीम भी होंगे शामिल

एनपीटी ब्यूरो
पाकुड़ (झा०खंड०), कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड एवं दुमका जिला पर्यटन कला संस्कृति निदेशालय विभाग के द्वारा आयोजित 3 दिवसीय सिनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 5 से 7 फरवरी को दुमका के मन्दिरों के गांव मलुटी में होना तय हुआ है। जिसके निमित्त पाकुड़ जिला कबड्डी संघ द्वारा 3 फरवरी 2025 सीनियर पुरुष टीम का चयन पाकुड़ शहर स्थित रानीज्योतिर्मय स्टेडियम में किया गया। जिसमें टीम कैप्टन अंशु कुमार, प्लेयर प्रिंस कुमार राय,



भीषण यादव, अनुराग गोस्वामी प्रिंस कुमार, रंजन कुमार रजक, ऋषिकेश कुमार, छोटू कुमार यादव, कार्तिक कुमार मंडल, अरुणाव कुमार यादव, जय यादव एवं तुषार पहाड़िया का चयन खेल प्रतिभा को देख कर किया गया। चयनकर्ता में

डे-बोर्डिंग एनआईएस कोच संजय कुमार भगत उर्फ संजू भगत, संघ के अध्यक्ष जवाहर कुमार सिंह, पूर्व सचिव उमर फारूक, पाकुड़ जिला कबड्डी संघ के पूर्व सिनियर खिलाड़ी रेमो राउत, अजित शर्मा, मिथुन शाह व प्रियेश चतुवेदी मौजूद रहे।

कैंसर जागरूकता को ले डीसी व सीएस ने दिखाया जागरूकता रथ को हरी झंडी

एनपीटी ब्यूरो
पाकुड़ (झा०खंड०), उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि विश्व कैंसर दिवस हर साल 4 फरवरी को मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना, इसकी रोकथाम, पहचान और उपचार के बारे में जानकारी देना और कैंसर से जूझ रहे लोगों का समर्थन करना है। विश्व कैंसर दिवस का महत्व जागरूकता बढ़ाना, कैंसर के लक्षण, कारण और बचाव के



उपायों की जानकारी देना। समाज को प्रेरित करना, कैंसर मरीजों और उनके परिवारों को सहयोग देना।रोकथाम को बढ़ावा देना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित जांच कराने के लिए प्रेरित करना। तंबाकू और शराब का सेवन न करें। स्वस्थ आहार लें और शारीरिक रूप से सक्रिय रहें। नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं। सूरज की हानिकारक किरणों से बचाव करें।टीकाकरण (जैसे एचआईवी और हेपेटाइटिस बी) करवाएं। यह दिन हमें याद दिलाता है कि मिलकर प्रयास करने से हम कैंसर से बचाव और उपचार में बदलाव ला सकते हैं। जागरूकता रथ के माध्यम से कैंसर के होने वाले लक्षण के बारे में लोगों को जागरूक किया जायेगा। ताकि पाकुड़ जिले के लोग कैंसर के प्रति जागरूकता हो

और सही समय पर इलाज भी करा सके। जिससे हमारा जिला और हमारे जिला के लोग कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से मुक्त रहे। वही उपायुक्त ने सदर अस्पताल का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने ओटी, आईसीयू, सिटी स्कैन, पुरुष वार्ड, महिला वार्ड, एसएनसीयू, आईसीटी प्रयोगशाला, पैथोलॉजी लैब अल्ट्रासाउंड, सामान्य ओपीडी के साथ विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। अस्पताल में सारी सुविधाएं बहाल करने की बात कही। सदर अस्पताल में मरीजों की बेहतर स्वास्थ्य सेवा को लेकर चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि अस्पताल की सफाई नियमित रूप से होनी चाहिए और आमलोगों को समुचित स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए।

झारखण्ड प्रशासनिक सेवा के 3 अधिकारियों पर हो सकती कारवाई

एनपीटी ब्यूरो
रांची, झारखण्ड प्रशासनिक सेवा के तीन अधिकारी, जय कुमार राम, मेरी मड़की और अनिल कुमार सिंह के खिलाफ विभागीय कारवाई होगी। राज्य की हेमन्त सरकार 2.0 ने काम में लापरवाही बरतने, मनरेगा योजना में गड़बड़ी और ऑफिस से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने की वजह से इन अधिकारियों पर कारवाई करने का फैसला किया है। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग ने इस आशय का पत्र भी जारी किया है। कार्मिक विभाग ने इस सम्बन्ध में जांच का जिम्मा तीन सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों को जिम्मा सौंपा है। यह भी समझना जरूरी है कि तीनों अधिकारियों पर आरोप क्या है। अड़की बीडीओ मेरी मड़की पर क्या आरोप है? कार्मिक विभाग द्वारा जारी संकल्प के मुताबिक खूंटी जिला के अड़की प्रखण्ड

की प्रखण्ड विकास पदाधिकारी मेरी मड़की पर आरोप है कि उन्होंने मनरेगा योजना अन्तर्गत मिट्टी मोरम पथ निर्माण योजना में अनियमितता बरती। बिना काम किये ही राशि का भुगतान किया। फर्जी मास्टर रोल तैयार किया। अभिलेखों को सही तरीके से नहीं रखा और न ही सही ढंग से योजनाओं का पर्यवेक्षण किया। ग्रामीण विकास विभाग ने इनके खिलाफ 26 जुलाई 2016 को ही चार्जशीट तैयार कर कारवाई की अनुशंसा कर दी थी। इस मामले की जांच के लिए सेवानिवृत्त आईएएस गणेश कुमार को नियुक्त किया गया है। साथ ही जय कुमार राम पर वित्तीय अनियमितता के आरोप। साहिबगंज के पूर्व कार्यालय अधिकारी सह-जिला नजारत उप समाहर्ता के पद पर रहे जय कुमार राम पर कोरोना महामारी के दौरान बिना सक्षम प्राधिकार की अनुमति के दवा एजेंसियों को

आपूर्ति करने का आदेश देने और वित्तीय अनियमितता का आरोप लगा है। साहिबगंज के तात्कालीन डीसी ने 12 दिसंबर 2023 को चार्जशीट दायर किया था। मामले की जांच का जिम्मा रिटायर आईएएस कमल जॉन लकड़ा को नियुक्त किया गया है। जय कुमार राम को स्पष्टीकरण देने के लिए 15 दिन का वक्त दिया गया है। वही अधिकारी अनिल कुमार सिंह पर अनुपस्थिति का आरोप है। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग में अवर सचिव रहे अनिल कुमार सिंह पर बिना बताए दफ्तर से गायब रहने का आरोप है। 26 जुलाई 2024 को विभाग ने चार्जशीट दायर किया था। विभागीय जांच के लिए सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी गणेश कुमार को नियुक्त किया गया है। जानकारी के मुताबिक अनिल कुमार को जवाब दाखिल करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है।

झारखण्ड राज्य प्रशासनिक सेवा के 6 अधिकारी बने आईएस, डीओपीटी ने जारी किया नोटिफिकेशन

एनपीटी, रांची, झारखण्ड राज्य प्रशासनिक सेवा के 6 अधिकारी आईएस बन गये हैं। डीओपीटी की तरफ से इसे लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। पिछले दिनों प्रमोशन के लिए डीपीसी दिल्ली में हुई थी, जिसके बाद अब प्रमोशन का नोटिफिकेशन जारी किया गया है। साल 2023 की रिक्तियों के विरुद्ध इन सभी को प्रोन्नति मिली है। इनमें कंचन सिंह, धनंजय कुमार सिंह, सीता पुष्पा, बिजय कुमार सिन्हा, प्रीति रानी और राजेश प्रसाद के नाम शामिल हैं। आईएस कैडर में प्रोन्नति पाने वाली कंचन सिंह रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा की पत्नी हैं। उन्होंने सीडीपीओ पद से सेवा की शुरुआत कर इस मुकाम को हासिल किया है। इस लिस्ट में शामिल बिजय कुमार सिन्हा इंजीनियरिंग सेवा से जुड़े रहे हैं। इससे पहले जुलाई 2023 में पहली बार राज्य पुलिस सेवा के 24 पुलिस पदाधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा में प्रोन्नति मिली थी। 24 पुलिस पदाधिकारियों को एक साथ आईपीएस में प्रोन्नति देने वाला झारखण्ड देश का पहला राज्य बना था।



जुली खिष्टमणी हेन्म्रम ने खिलाड़ियों को किया सम्मानित



एनपीटी ब्यूरो, पाकुड़िया प्रखण्ड क्षेत्रान्तर्गत खजुरचुमा गांव में आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता के बतौर मुख्यातिथि पाकुड़ जिला परिषद अध्यक्ष जुली खिष्टमणी हेन्म्रम ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित किया। बतौर मुख्यातिथि के पहुंचते ही आयोजकों के द्वारा पारंपरिक आदिवासी रीति- रिवाज से जोरदार तरीके से उनकी स्वागत किया गया। वही आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में आरएस भाई- भाई की टीम के खिलाड़ियों ने

अपनी प्रतिभा निखारते हुए दर्शकों का ध्यान अपनी आकृष्ट करने में कामयाब रहे। साथ ही ट्रेक एकादश के टीम को एक गोल से पराजित कर ट्रॉफी अपने नाम करने में सफल रहे। वही बतौर मुख्यातिथि जुली खिष्टमणी हेन्म्रम ने विजेता टीम को 70000 नगद देकर पुरस्कृत किया। साथ ही उपविजेता टीम को 50000 देकर सम्मानित किया। मौके पर मुखिया सैलोन हेन्म्रम, मास्टर सुशील मुर्मू विनय सोरेन, सनाउल अंसारी, बहरूदीन अंसारी समेत काफी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

निर्धारित तारीख में होगी परख टेस्ट के तहत परीक्षा

एनपीटी ब्यूरो
पाकुड़ जिलान्तर्गत परख टेस्ट के तहत प्री मैट्रिक एवं प्री इंटर परीक्षा 2025 तक सम्बन्धित परीक्षा केन्द्र पर संचालित किया जायेगा। इसके सफल क्रियान्वयन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार ने जिला शिक्षा पदाधिकारी, सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की गई। उपायुक्त ने सभी को प्री- बोर्ड परीक्षा को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। मौके पर विशेष कार्य पदाधिकारी विभुवन कुमार सिंह उपस्थित थे।

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खंड०), एक ही तो दिल है- कितनी बार जीतोगे, यह फेमस डायलॉग साल 1970 में आई बॉलीवुड फिल्म कटी पतंग की है। यह डायलॉग फिल्म की कहानी में भावनात्मक गहराई और संघर्ष को दर्शाता है। लेकिन यहां इस डायलॉग का इस्तेमाल किसी फिल्मी कलाकारों/ अदाकारों के लिए नहीं है बल्कि देश-विदेश में मान- सम्मान हासिल कर चुके पाकुड़ के जाने-माने समाजसेवी व उद्योगपति लुतफल हक के लिए सटीक बैठता है। जिन्होंने जाति धर्म से ऊपर उठकर हर वर्ग के लोगों को आर्थिक मदद पहुंचाने में कभी पीछे नहीं हटे हैं। किसी भी गरीब जरूरतमंद को मदद पहुंचाने की बात हो या शिक्षण संस्थानों या फिर मन्दिर-मस्जिद या मदरसों में आर्थिक सहयोग देना हो, हमेशा आगे रहते हैं। लुतफल हक की दरियादिली का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि, उनके द्वार पर आने वाले खाली हाथ नहीं लौटते। इधर विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के भक्तिमय माहौल के बीच समाजसेवी लुतफल हक ने धार्मिक सौहार्द का वो मिसाल कायम किया है, जिसकी जितनी भी प्रशंसा करे कम है। दरअसल समाजसेवी लुतफल हक सोमवार को पड़ोसी जिला साहिबगंज के कोटालपोखर में पिछले करीब 27-28 वर्षों से संचालित सरस्वती शिशु मन्दिर पहुंचे। उन्हें सरस्वती शिशु मन्दिर के नये वर्ग कक्ष के निर्माण को लेकर आयोजित भूमि पूजन में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया गया था।



शिशु मन्दिर परिसर में भूमि पूजन का कार्य विधिवत सम्पन्न हुआ। जिसमें समाजसेवी लुतफल हक मुख्य रूप से शामिल हुए। लुतफल हक ने भूमि पूजन में हिस्सा लेकर जहां धार्मिक सौहार्द का अनोखा मिसाल पेश किया। वही उन्होंने इसी दौरान वर्ग कक्ष के निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग की घोषणा भी कर दिया। उन्होंने सरस्वती शिशु मन्दिर प्रबंधन को दो नये वर्ग कक्ष के निर्माण में आर्थिक सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान भूमि पूजन में सरस्वती शिशु मन्दिर के प्रधानाचार्य तुलसी प्रसाद मंडल, सचिव भवेश साह, संरक्षक मुनीलाल शर्मा, अशोक साह सहित सैकड़ों बच्चों और उनके अभिभावक मौजूद थे। शिशु मन्दिर के वर्ग कक्ष के निर्माण में लुतफल हक के सहयोग की घोषणा से बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों में खुशी छा गई। अभिभावकों ने समाजसेवी लुतफल हक की प्रशंसा करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। वही सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य सहित प्रबंध समाजसेवी लुतफल हक का धन्यवाद

ज्ञापित किया। लुतफल हक ने कहा कि समाज और देश के विकास के लिए शिक्षा बेहद जरूरी है। मेरा दिली ख्वाहिश है कि समाज में शिक्षा को बढ़ावा मिले। इसके लिए हम सबको आगे आना होगा। मैं सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य तुलसी प्रसाद मंडल, सचिव भवेश साह, संरक्षक मुनीलाल शर्मा और अध्यक्ष जितेंद्र सिंह सहित तमाम लोगों का आभार व्यक्त करता हूं कि मुझे शिक्षा के इस मंदिर में अतिथि के रूप में शामिल किया गया। उद्योगपति व समाजवादी लुतफल हक ने कहा कि मुझे खुदा ने सेवा का मौका दिया है, मैं इसके लिए ऊपर वाले का शुक्रिया अदा करता हूं। यह मेरे जैसे व्यक्ति के लिए बहुत बड़ी सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि मेरे पास जो भी लोग उम्मीद लेकर आते हैं, जहां तक हो पाता है, मैं उन्हें मदद करने का प्रयास करता हूं। शिक्षा के मामले में सहयोग की जब भी बात आती है, मुझे ज्यादा खुशी होती है। इस सरस्वती शिशु मंदिर के दो वर्ग कक्ष के निर्माण में जितना भी हो पाएगा, सहयोग करूंगा। ताकि यहां पढ़ने वाले बच्चों को वर्ग कक्ष में

बैठने और पढ़ाई करने में सहूलियत हो। उन्होंने कहा कि खुदा ने चाहा तो मैं आगे भी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मदद करता रहूंगा। इस अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य तुलसी प्रसाद मंडल ने बताया कि इस शिक्षण संस्थान की स्थापना साल 1997 में हुई थी। उस दौरान भवन नहीं होने से एक सरकारी पुस्तकालय में पठन-पाठन का काम होता था। आगे चलकर खपरेल का एक छोटा सा भवन बनाया गया। अपने स्थापना काल से ही सरस्वती शिशु मंदिर भवन की कमी झेल रही है। जिससे बच्चों को पढ़ने और पढ़ाने में दिक्कतें आती है। इसलिए सरस्वती शिशु मंदिर का पक्का भवन निर्माण के लिए पहल शुरू किया गया। इसके लिए समाजसेवी लुतफल हक जी से मुलाकात कर उन्हें हमने समस्याओं को रखा और वर्ग कक्ष निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग का अनुरोध किया। प्रधानाचार्य तुलसी प्रसाद मंडल ने कहा कि मैंने लुतफल हक के बारे में सुना तो था, लेकिन पहली ही मुलाकात में उनकी दरियादिली देख भी लिया। उन्होंने एक ही अनुरोध पर सरस्वती शिशु मंदिर के लिए वर्ग कक्ष के निर्माण के लिए सहयोग के अनुरोध पर हामी भर दी। लुतफल हक से आश्वासन मिलने के बाद वर्ग कक्ष निर्माण के लिए आज भूमि पूजन का आयोजन किया गया। यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। प्रधानाचार्य ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर प्रबंधन समाजसेवी लुतफल हक के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त करता है।



'केजरीवाल ने कोई वादा नहीं पूरा किया... इसलिए 50% से अधिक विधायकों ने छोड़ी पार्टी'

AAP पर शाह का हमला

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली । केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित किया। केन्द्रीय गृह मंत्री कहा अमित शाह ने कि 10 वर्षों तक केजरीवाल और उनके चट्टे-बट्टों ने दिल्ली को भ्रष्टाचार, कूड़ा-कचरा, जहरीला पानी, तुष्टिकरण और धोखा ही दिया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली के जंगपुरा में विशाल जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने आम आदमी पर जमकर निशाना साधा। केन्द्रीय गृह मंत्री कहा अमित शाह ने कि 10 वर्षों तक केजरीवाल और उनके चट्टे-बट्टों ने दिल्ली को भ्रष्टाचार, कूड़ा-कचरा, जहरीला पानी, तुष्टिकरण और धोखा ही दिया है।

शाह ने कहा, कनेक्टिविटी के नाम पर ऐसी सड़कें दीं कि सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क, ये पता ही नहीं चलता। पाइप के माध्यम से ये प्रदूषित पानी भेजने का काम कर रहे



हैं। मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर 65,000 फर्जी टेस्ट कराने का घोटाला इन्होंने किया। बारिश में बिजवासन तो छोड़िए, बल्कि आधी दिल्ली तालाब बन जाती है। केजरीवाल ने अपना कोई भी वादा पूरा नहीं किया, इसलिए आज आप के 50% से ज्यादा विधायक इन्हें छोड़ चुके हैं। केजरीवाल जी, आपके यहां ये भगदड़ क्यों मची है?’

‘केजरीवाल स्वयं चुनाव हार रहे हैं’—गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ‘आज मैं नई दिल्ली वालों की ओर से आपको बताने आया हूं कि वहां केजरीवाल स्वयं चुनाव हार रहे हैं। दिल्ली की जनता इस झूठे व्यक्ति को

घोटाला किया और मंदिर, स्कूल, गुरुद्वारे के पास शराब की दुकानें खोल दी। 28,400 करोड़ का जल बोर्ड का घोटाला किया, 4,500 करोड़ का उछड़ बस घोटाला किया, 1,300 करोड़ का क्लासरूम घोटाला किया। 571 करोड़ का सीसीटीवी घोटाला किया और 65,000 नकली टेस्ट का घोटाला किया। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़कर आए केजरीवाल स्वयं भ्रष्टाचार की मूर्ति बन गए और बड़े मियां-छोटे मियां दोनों शराब घोटाले में जेल गए।’

‘हरियाणा वालों का अपमान कर रहे हैं केजरीवाल’

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ‘इन्होंने अभी-अभी एक पाप किया है। केजरीवाल ने कहा कि हरियाणा सरकार यमुना जी के पानी में जहर घोल रही है। केजरीवाल तो खुद को हरियाणा का बेटा कहते थे, लेकिन अब इन्होंने हरियाणा का अपमान किया है। ये स्वयं पानी को शुद्ध नहीं कर पाए, इसलिए हरियाणा पर आरोप लगा रहे हैं और हरियाणा वालों का अपमान कर रहे हैं।’

बनने आए थे यमुना के लाल, बन गए शराब के दलाल', स्वाती मालिवाल का केजरीवाल पर वार

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली । मालीवाल ने कहा कि हम सभी अरविंद केजरीवाल के आवास पर जा रहे हैं और उन्हें चुनौती देने जा रहे हैं कि वह हमारे सामने आएँ और हमने नदी से जो काला पानी इकट्ठा किया है उसे देखें और उसमें डुबकी लगाएं और यदि संभव हो तो उसे पी भी लें।

दिल्ली चुनाव के प्रचार के बीच राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने यमुना नदी से जल एकत्र किया और पूर्वांचल की महिलाओं के साथ आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास पर पहुंची। स्वाति मालीवाल ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की वजह से यमुना नदी नाले में तब्दील हो गई है। मैं हजारों पूर्वांचली महिलाओं के साथ यहां आई हूं और यहां हालात इतने खराब हैं कि बदबू के कारण हमारा यहां खड़ा होना भी मुश्किल हो गया है। पूर्वांचली महिलाएं मेरे साथ अरविंद केजरीवाल के आवास पर जा रही हैं और उनसे क्या पूछना है कि नदी की सफाई के लिए आवंटित 7500 करोड़ रुपये कहां गए?

मालीवाल ने कहा कि हम सभी अरविंद केजरीवाल के



आवास पर जा रहे हैं और उन्हें चुनौती देने जा रहे हैं कि वह हमारे सामने आएँ और हमने नदी से जो काला पानी इकट्ठा किया है उसे देखें और उसमें डुबकी लगाएं और यदि संभव हो तो उसे पी भी लें। इन्होंने कहा कि आज केजरीवाल बहुत बड़े आदमी हो गए हैं, वो शीश महल में रहते हैं और बड़ी बड़ी गाड़ियों में घूमते हैं। हमारे साथ आई पूर्वांचली महिलाएं केजरीवाल से पूछना चाहती हैं कि छठ पूजा वो आखिर कहां करें। लोगों में बहुत गुस्सा भरा पड़ा है। उन्होंने कहा कि जब केजरीवाल को जरूरत पड़ती है तो वे हाथ जोड़कर आ जाते हैं, लेकिन जरूरत खत्म होते ही

यमुना नदी का ये हाल हो जाता है। अरविंद केजरीवाल को छठी मैया का श्राप लगेगा।

केजरीवाल पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि बनने आए थे यमुना के लाल, बन गए शराब के दलाल। इस बीच दिल्ली पुलिस ने राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल को हिरासत में ले लिया। इससे पहले राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने गुरुवार को दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर कूड़ा फेंककर विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन 5 फरवरी को दिल्ली चुनाव से पहले हुआ।

दिल्ली चुनाव में पीएम की पाठशाला: 'छात्रों के भविष्य को नुकसान पहुंचा रही AAP सरकार', बातचीत में बोले मोदी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के आखिरी दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली की आप सरकार पर जोरदार निशाना साधा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को छात्रों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार की कड़ी आलोचना की। पीएम मोदी ने आरोप लगाते हुए कहा कि आप की सरकार छात्रों के भविष्य से ज्यादा अपनी छवि को प्राथमिकता दे रही है। सरकार अपनी छवि बचाने के लिए सिर्फ उन्हीं छात्रों को नौवीं कक्षा से आगे जाने देती है जो अच्छे अंक लाते हैं।

पीएम मोदी ने छात्रों से बातचीत के दौरान कहा कि मैंने सुना है कि दिल्ली में सरकार बच्चों को 9वीं कक्षा से आगे नहीं जाने देते हैं। सिर्फ उन्हीं बच्चों को जाने दिया जाता है जो पास होने की गारंटी रखते हैं। ताकि रिजल्ट खराब न हो।

इससे पहले आरके पुरम में चुनावी रैली में कहा कि वोटिंग से पहले "झाड़ू" के तिनके-तिनके बिखर गए हैं। आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल के आरोप पर पीएम मोदी ने दो टूक कहा कि मोदी की गारंटी है झुग्री नहीं टूटने देंगे। आप-दा वाले अफवाह फैला रहे हैं, याद रखिएगा दिल्ली एक भी झुग्री नहीं टूटेगी, जनहित को भी योजनाएं चली आ रही हैं उनमें

किसी को बंद नहीं किया जाएगा। बसंत पंचमी के साथ ही मौसम बदलना शुरू हो जाता है। तीन दिन बाद, 5 फरवरी को दिल्ली में विकास का नया बसंत आएगा-दिल्ली के हर परिवार को दो गारंटी, कहा सेवा का मौका दें, हर मुसीबत व परेशानी को समाप्त करने में खप जाऊंगा

पीएम ने कहा कि गलती से भी आप-दा नहीं आ जाए। आप-दा को छोड़कर उनके पार्टी के लोग जा रहे हैं। वो यह जान गए हैं कि ग्राउंड पर जनता उनसे नाराज ही नहीं नफरत करती है। दिल्ली के लोगों के गुस्से से पूरी पार्टी इतनी घबरा गई है कि हर घंटे झूठी घोषणाएं कर रही है। उनका नकाब उतर गया है। दिल्ली में रहने वाली बहने,

आँटो वाले कह रहे हैं कि दस साल से यह झूठी घोषणाओं पर वोट मांग रहे हैं। अब यह झूठ नहीं सहेंगे, बदलकर रहेंगे। एक तरफ आपदा की झूठी घोषणाएं है दूसरी तरफ आपका सेवक (नरेंद्र मोदी) है। मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी। जो भी कहते हैं वह कर के दिखाते हैं।

इस दौरान पीएम मोदी ने एक फरवरी को पेश किए गए बजट का भी जिक्र कर मध्यम वर्ग को अपने पाले में करने की पूरी कोशिश की। कहा कि यह बजट मिडिल क्लास के लिए सबसे फ्रेंडली बजट है। भारत के इतिहास में मध्यम वर्ग के लिए ऐसा बजट नहीं पेश हुआ। पहले बजट का नाम सुनते ही पांच दिन

भी बढ़ बड़ेगी। 10 लाख तक का मुफ्त इलाज भी आयुष्मान भारत योजना से मिलेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के विकास में मध्यम वर्ग का काफी योगदान है। भाजपा की सरकार ईमानदार करदाताओं को पुरस्कार देती है। कांग्रेस की सरकार में अगर 12 लाख रुपये लोग कमाते तो 2 लाख 60 हजार रुपये कर देना पड़ता था। अगर नए कर के जमाने में 12 लाख कोई कमाते होते तो एक चौथाई सैलरी सरकार ले लेती, अगर इंदिरा की सरकार होती तो 12 लाख रुपये के आय पर 10 लाख टैक्स में चले जाते। कांग्रेस की सरकार सिर्फ अपना खजाना भरने के लिए टैक्स लगाती थी। अब 12 लाख

रुपये कमाने वालों का टैक्स केंद्र की भाजपा सरकार ने जीरो कर दिया है। खेले इंडिया अभियान के लिए 1,000 करोड़ रुपये दिया गया है। कॉमनवेल्थ गेम घोटाले के दाग इतने गहरे हैं कि कांग्रेस कभी उससे मुक्त नहीं हो सकती।

पीएम ने कहा कि पूर्वांचल के लोगों ने मुझे सांसद बनाया है। उन्होंने तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाया। कांग्रेस पार्टी ने बिहार राज्य का हमेशा से ही अनदेखी की। पूर्वांचल और बिहार की बेहतरी के लिए कभी काम नहीं किया। अब जब बिहार के लिए केंद्र सरकार बजट में कई घोषणाएं की है तो आप-दा पार्टी और कांग्रेस को दिक्कत हो रही है। आप-दा वाले बिहार को

‘नेशनल प्रेस टाइम्स’

दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।

विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए सम्पर्क करें।

सुखपाल सिंह (संपादक)

प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)

8448184482

एस.के. राणा (सह-संपादक)

8938805409

पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद

फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107

nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com

नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।

एडवोकेट आदर्श कुमार राय

(इलाहाबाद हाईकोर्ट)

09415624173

आप को मिल रहीं 55 सीटें, अगर महिलाएं सहयोग करें तो...', अरविंद केजरीवाल ने किया दावा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रचार के अंतिम दिन रैली को संबोधित करते हुए बड़ा दावा किया। केजरीवाल ने कहा, 'आम आदमी पार्टी की 55 सीट आ रही हैं। दिल्ली में एक बार फिर से आप की सरकार बन रही है।'

दिल्ली में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जमकर प्रचार किया। साथ ही दावा कि दिल्ली में एक बार फिर से आप की सरकार बन रही है। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'मेरे अनुमान के मुताबिक, आम आदमी पार्टी की 55 सीट आ रही हैं, लेकिन अगर सभी वोट करने जाएं और अपने घर के पुरुषों को भी आम आदमी पार्टी को वोट देने के लिए समझाएं तो 60 से ज्यादा भी आ सकती हैं।'

अरविंद केजरीवाल ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए भाजपा पर चुनाव को प्रभावित करने का आरोप लगाया। सोमवार को नई दिल्ली, कालका जी, छतरपुर सहित दूसरे विधानसभा में प्रचार करते हुए केजरीवाल ने लोगों से समर्थन देने की अपील की। उन्होंने दावा किया कि आप की सरकार बनी तो हर परिवार में करीब 35 हजार रुपये तक की बचत होगी। सरकार बनने के बाद पहला काम महिलाओं के खाते में 2100 रुपये डालने और बुजुर्गों का मुफ्त इलाज कराने का करेंगे। मुफ्त बिजली-पानी, शिक्षा, इलाज और महिलाओं की बस यात्रा की तरह यह सुविधाएं भी शुरू होगी।

'भाजपा सरकार कुछ खास लोगों को फायदा पहुंचाती'

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव को प्रभावित कर रही है। उनके राज्यों में शिक्षा, स्वास्थ्य की क्या हालत



है, जबकि आप ने बच्चों को रोजगार देने के लिए एक बहुत बड़ा प्लान बनाया है। आप सरकार बजट का एक-एक पैसा आम लोगों के हितों में खर्च करती है, जबकि भाजपा सरकार कुछ खास लोगों को फायदा पहुंचाती है।

आएगी 60 से ज्यादा सीटें, नहीं

फंस नहीं सीट

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं पूरी दिल्ली में घूमा और लोगों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। मेरे हिसाब से 55 सीट आ रही हैं, लेकिन अगर महिलाएं कोशिश करें तो 60 सीट तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा दावा कर रही है कि नई दिल्ली, कालकाजी और जंगपुरा तीनों फंस गईं, लेकिन मतगणना के दिन ये सीटें आम आदमी पार्टी जीतेगी।

उंगली पर न लगावाएं काली स्याही

केजरीवाल ने एक बार फिर दावा किया कि भाजपा उंगली पर काली स्याही लगाकर कहेंगे कि पैसे लेकर वोट डाल दो। चुनाव आयोग कभी भी घर आकर वोटिंग नहीं करवाता है। उन्होंने कहा कि इसे रोकने के लिए स्पाई और बॉडी कैमरा झुगियां और कार्यकर्ताओं में बांट दिए हैं, जिसमें सब रिकॉर्ड होगा। सूचना देने पर

आप की ब्विक रेस्पॉन्स टीम 10-15 मिनट में पहुंच जाएगी।

चुनाव आयुक्त को पद की लालसा

केजरीवाल ने भाजपा पर पुलिस की मदद से चुनाव प्रभावित करने का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि चुनाव आयोग भी उनकी मदद कर रहा है। दिल्ली में चुनाव कवर कर रहे 7 पत्रकारों पर हमले हुए। आप की प्रचार गाड़ियां तोड़ी गईं। कई सारी सामग्री जब्त कर ली गई। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने भाजपा के सामने हथियार डाल दिए हैं, ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग है ही नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार इस महीने के अंत में रिटायर हो रहे हैं। उन्हें शायद पद की लालसा है। जिसके लिए वह निष्पक्ष चुनाव करवाने से पीछे हट रहे हैं।